कोलकाता में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद देशभर के डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने अपनी हड़ताल वापस ले ली।

जनहितैषी

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

हिन्दी दैनिक

R.N.I. No. 63177/95 वर्ष:29 अंक:244 दिनांक:14-08-2024 बुधवार मूल्य:1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 अहमदाबाद M

विनेश फोगाट के सिल्वर मेडल पर एक बार फिर फैसला टाल दिया गया है। बताया जा रहा है कि अब 16 अगस्त को सीएएस फैसला सुनाएगा। इससे पहले 13 अगस्त की तारीख दी गई थी। हालांकि, अंतिम समय में फैसले की तारीख को आगे बढ़ा दिया गया था।

फोर्डा ने वापस ली हड़ताल

नई दिल्ली। कोलकाता में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले को लेकर देशभर के डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद अपनी हड़ताल वापस ले ली।

कोलकाता में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म के बाद हत्या के मामले को लेकर देशभर के डॉक्टर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस बीच फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन ने जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद अपनी हड़ताल वापस ले ली। नड्डा से मुलाकात के बाद फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अविरल माथुर ने कहा कि केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने हमारी सभी मांगें मान ली हैं।

केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से मुलाकात के बाद फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अविरल माथुर ने कहा कि हमने केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा से उनके आवास पर मुलाकात की और अपनी संशोधित मांगें उनके सामने रखीं। आगे माथुर ने कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा ने हमें आश्वासन दिया है कि वे डॉक्टरों के लिए सुरक्षित कार्य वातावरण उपलब्ध कराएंगे। हमारी सभी मांगें मान ली गई हैं इसलिए फोर्डा हड़ताल वापस ले रहा है। फोर्डा ने केंद्रीय गृहमंत्री को पत्र लिखकर सुरक्षा की मांग की थी। फोर्डा ने केंद्रीय गृहमंत्री को पांच मांगों को लेकर पत्र लिखा था। इसमें पहली मांग रेजीडेंट डॉक्टरों को सुविधा देने की है। दूसरी मांग आरजी कर मेडिकल कॉलेज के जिम्मेदार अधिकारियों का इस्तीफा लिया जाए। इसमें प्रिंसिपल, एमएसवीपी, डीन, पल्मोनरी मेडिसिन के एचओडी, आरजी कर के एमसी एंड एच पुलिस चौकी के एसीपी शामिल हैं। क्योंकि ये सभी डयूटी पर तैनात एक डॉक्टर की गरिमा की रक्षा नहीं कर सके। डॉक्टरों ने तीसरी मांग की है कि डॉक्टरों के साथ पुलिस क्रूरता बंद की जाए। चौथी मांग मृतका को त्वरित न्याय दिलाया जाए। इसके अलावा स्वास्थ्यकर्मियों के लिए सुरक्षा प्रोटोकॉल और विशेषज्ञ समिति का गठन किया जाए। फोर्डा इंडिया के अध्यक्ष डॉ. अविरल माथुर ने कहा था कि हर किसी को घटना की निंदा करनी चाहिए। हमने देशव्यापी हड़ताल के लिए फोर्डा के तहत एक नोटिस जारी किया था। हमने कुछ मांगें की थीं। जब हमारी मांगें पूरी हो जाएंगी तो हम हड़ताल खत्म कर देंगे। लेकिन अब तक हमारी मांगों पर कोई विचार नहीं किया गया। इसलिए हड़ताल जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि हम नहीं चाहते कि मरीजों को परेशानी हो। मरीजों की सुविधा के लिए आपातकालीन सेवाएं जारी हैं।

जीएसटी परिषद की बैठक नौ सितंबर को, दरों को तर्कसंगत बनाने पर की जाएगी चर्चा

नई दिल्ली केंद्र तथा राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद, वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है। यह एक जुलाई 2017 से काम कर रही है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की बैठक नौ सितंबर को होगी। परिषद ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर अपने आधिकारिक खाते पर लिखा, ''जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक नौ सितंबर 2024 को नई दिल्ली में होगी।'' केंद्र तथा राज्यों के वित्त मंत्रियों वाली जीएसटी परिषद, वस्तु व सेवा कर (जीएसटी) के संबंध में सर्वोच्च निर्णय लेने वाली संस्था है। यह एक जुलाई 2017 से काम कर रही है। बैठक में दरों को युक्तिसंगत बनाने, कर 'स्लैब' को कम करने के अलावा जीएसटी के तहत उलटा शुल्क हटाने पर चर्चा होने की उम्मीद है।

पिछली परिषद की बैठक 23 जून को हुई थी, जिसके बाद सीतारमण ने कहा था कि जीएसटी परिषद की अगली बैठक में बिहार के उपमुख्यमंत्री सुमंत चौधरी के नेतृत्व में दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्रिसमूह (जीओएम) कार्य की स्थिति और समिति द्वारा 'कवर' किए गए पहलुओं तथा समिति के समक्ष लंबित कार्यों पर एक प्रस्तुति देगा। यह एक जुलाई 2017 से काम कर रही है। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की बैठक नौ सितंबर को होगी।

आसाराम की पैरोल याचिका हाईकोर्ट में मंजूर

जोधपुर (ईएमएस)। रेप के मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को इलाज के लिए पैरोल मिली है. 87 साल कइ आसाराम इलाज के लिए 7 दिनों के पैरोल पर जेल से बाहर आएंगे. आसाराम फिलहाल राजस्थान के जोधपुर जेल में बंद है. पूरे 11 साल बाद उन्हें पैरोल मिली है. रिपोर्ट के मुताबिक, आसाराम आयुर्वेदिक उपचार कराएँगे। आसाराम पिछले 4 दिन से जोधपुर एम्स में भर्ती हैं. उन्होंने इलाज के लिए पैरोल की अर्जी दी थी, लेकिन ये कई दफा खारिज हो गई.

इससे पहले आसाराम को जोधपुर स्थित निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में पुलिस की कस्टडी में इलाज की परमिशन दी गई थी. आसाराम ने पुणे के डॉक्टर्स की देखरेख में इलाज करवाया था. फिर से तबीयत खराब होने पर बीते दिनों जोधपुर एम्स में भर्ती किया गया था. जिसके बाद उन्होंने इलाज के लिए पैरोल की अर्जी दी थी.

भारत के कई राज्यों में बेहतर हुआ लिंगानुपात

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार के सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की भारत में महिला और पुरुष 2023

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में लिंगानुपात 2011 के प्रति एक हजार पुरुषों पर 943 महिलाएं के स्तर से बढ़कर 2036 में प्रति 1000 पुरुषों पर 952 महिलाएं होने की संभावना है. वहीं अगर देशभर में लिंगानुपात में आए बदलाव की बात करें तो देश में सबसे सकारात्मक सुधार दिल्ली में आया है. वहीं अगर सबसे खराब सुधार की बात करें तो इस मामले में दमन और दीव सबसे आगे हैं. वहां यह सुधार नकारात्मक है. आइए देखते हैं कि देश में सबसे खराब और सबसे अच्छे लिंगानुपात वाले पांच राज्य कौन से हैं.

पहले बात करते हैं सबसे अच्छे अनुपात वाले पांच राज्यों की. इस लिस्ट में सबसे आगे है दिल्ली. रिपोर्ट के मुताबिक 1951 से 2011 तक दिल्ली के लिंगानुपात में 5.7 ३ का बदलाव आया है. साल 1951 में दिल्ली का लिंगानुपात 768 का था. यह 2011 में बढ़कर 868 हो गया था.इस तरह दिल्ली के लिंगानुपात में 1951 से 2011 के बीच 5.7 ३ का बदलाव आया है.इस सूची में दूसरे नंबर पर चंडीगढ़ का नंबर है.वहां 1951 और 2011 के बीच लिंगानुपात में 5.3 ३ का बदलाव आया है.तीसरे नंबर पर अरुणाचल प्रदेश का नाम है. अरुणाचल में 1951 और 2011 के बीच लिंगानुपात में पांच ३ का बदलाव आया है. वहीं चौथे नंबर पर दक्षिण भारत के राज्य पुडुचेरी का नाम है. साल 1951 और 2011 के बीच इस राज्य के लिंगानुपात में 3.6 ३ का बदलाव आया है. वहीं पांचवें नंबर पर अंडमान निकोबार द्वीप समूह का नाम है. साल 1951 से 2011 के बीच यहां के लिंगानुपात में 3.5 ३ का बदलाव आया है.

आइए बात करते हैं लिंगानुपात में सबसे खराब बदलाव वाले राज्यों की. इस सूची में सबसे पहला नाम दमन और दीव का है.साल 1951 में दमन और दीव का लिंगानुपात 1125 का था. यह 2011 में घटकर 618 रह गया है. इस तरह दमन और दीव के लिंगानुपात में माइनस 13 ३ का अंतर दर्ज किया गया है.वहीं दादर नगर हवेली में लिंगानुपात में माइनस 5.7 ३ का अंतर दर्ज किया गया है. वहीं मिजोरम में यह अंतर 4.4 ३ का दर्ज किया गया तो जम्मू कश्मीर में लिंगानुपात में इस दौरान 0.3 का अंतर दर्ज किया गया. बिहार में यह अंतर माइनस 0.1 ३ का था.

मुझे देशवासियों से इन्साफ चाहिए - शेख हसीना

नई दिल्ली (ईएमएस)। बांग्लादेश छोड़ने के बाद पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने पहले बयान में कहा कि बांग्लादेश हिंसा में शामिल लोगों की जांच की जानी चाहिए.

शेख हसीना ने बांग्लादेश में दंगाइयों को दंडित करने की मांग की है. उन्होंने अपने पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीबुर रहमान की मूर्ति को तोड़े जाने के मामले में न्याय की मांग की है.

अपने बेटे द्वारा एक्स पर पोस्ट किए गए तीन पन्नों के भावनात्मक बयान में, शेख हसीना ने 1975 में अपने पिता की हत्या के साथ शहीद हुए परिवार के सदस्यों की याद दिलाई.

बांग्लादेश में पांच अगस्त को शेख हसीना नीत सरकार के गिरने के बाद देशभर में भड़की हिंसा की घटनाओं में 230 से अधिक लोग मारे गए हैं. जुलाई के मध्य में पहली बार कोटा विरोधी प्रदर्शन शुरू होने के बाद से इस हिंसा में मरने वालों की कुल संख्या 560 हो गई है.

हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया है और 84 वर्षीय नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को इसका अंतरिम प्रमुख बनाया गया है. यूनुस ने पिछले सप्ताह अपने 16-सदस्यीय सलाहकार परिषद के विभागों की घोषणा की.

पहलवान विनेश फोगाट के मामले में फैसला 16 अगस्त को सुनाया जाएगा

खेल पंचाट (ईएमएस) के तदर्थ प्रभाग ने मंगलवार को भारतीय पहलवान विनेश फोगाट की पेरिस ओलंपिक में फाइनल से पहले अयोग्य ठहराए जाने के खिलाफ अपील पर फैसला फिर 16 अगस्त तक स्थगित कर दिया। खेल पंचाट को सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद मंगलवार को फैसला सुनाना था, लेकिन इसे फिर तीसरी बार टाल दिया गया। इससे 29 वर्षीय भारतीय पहलवान का इंतजार बढ़ गया है।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की विज्ञप्ति के अनुसार, 'खेल पंचाट के तदर्थ प्रभाग के अध्यक्ष ने विनेश फोगाट बनाम यूनाईटेड विश्व कुश्ती (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति मामले में एकमात्र मध्यस्थ डॉ. एनाबेले बेनेट को अपना फैसला सुनाने के लिए शुक्रवार 16 अगस्त 2024 पेरिस समय के अनुसार शाम छह बजे तक अनुमति दी है।'

पिछले मंगलवार को जापान की युई सुसाकी के खिलाफ जीत सहित तीन जीत के साथ महिलाओं की 50 किग्रा फ्रीस्टाइल स्पर्धा के फाइनल में पहुंचने वाली विनेश को अंततः स्वर्ण पदक जीतने वाली अमेरिका की सारा हिल्डेब्रांट के खिलाफ खिताबी मुकाबले से बाहर कर दिया गया क्योंकि सुबह वजन करते समय उनका वजन निर्धारित सीमा से 100 ग्राम अधिक पाया गया।

इस पहलवान ने पिछले बुधवार को खेल पंचाट में इस फैसले के खिलाफ अपील की और मांग की कि उसे क्यूबा की पहलवान युस्नेलिस गुजमेन लोपेज के साथ संयुक्त रजत पदक दिया जाए। लोपेज सेमीफाइनल में विनेश से हार गई थी, लेकिन बाद में भारतीय पहलवान को अयोग्य घोषित किए जाने के बाद उन्हें फाइनल में जगह मिली। अयोग्य ठहराए जाने के एक दिन बाद विनेश ने खेल से संन्यास की घोषणा करते हुए कहा कि उसके पास खेल जारी रखने की ताकत नहीं है। हालांकि, दुनिया भर के दिग्गज खिलाड़ियों ने इस 29 वर्षीय पहलवान का समर्थन किया है जो अपने तीसरे ओलंपिक खेलों में भाग ले रही थी।

इस मामले पर नौ अगस्त को ही सुनवाई हुई थी और माना जा रहा था कि फैसला उसी दिन आ जाएगा। इसे 10 अगस्त तक के लिए टाला गया था। फिर इसे टालकर 13 अगस्त को कर दिया गया था। अब 16 अगस्त को रात साढ़े नौ बजे फैसला आ सकता है। इससे पहले न्यूज एजेंसी एएनआई से बात करते हुए, विनेश के वकील विदुष्पत सिंघानिया ने कहा, 'विनेश का प्रतिनिधित्व चार वकीलों ने किया। वह इस मामले में आवेदक है तथा यूनाईटेड विश्व कुश्ती (यूडब्ल्यूडब्ल्यू) और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति ने इसमें हिस्सा लिया है तथा भारतीय ओलंपिक संघ इसमें रुचि रखता है। हमें उम्मीद है कि फैसला विनेश के पक्ष में आएगा। वह एक चैंपियन हैं चाहे सीएएस का फैसला कुछ भी हो और विनेश का सम्मान किया जाना चाहिए।'

ट्रेनी डॉक्टर के रेप-हत्या की जांच करेगी सीबीआई

कोलकाता(ईएमएस)। कोलकाता में लेडी डॉक्टर से रेप और मर्डर के मामले में आज हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। इस दौरान उच्च न्यायालय ने इस केस की सीबीआई जांच के आदेश दे दिए हैं। कोर्ट ने आदेश दिया है कि इस मामले से जुड़े सीसीटीवी फुटेज, सभी बयान बुधवार सुबह 10 बजे तक सौंपे जाएंगे।

बता दें कि कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में लेडी डॉक्टर से रेप और मर्डर केस के बाद जहां देशभर में चिकित्सकों में आक्रोश है तो वहीं इस घटना के बाद एक बार फिर महिला सुरक्षा जैसे मामलों में पुलिसिया चूक को लेकर सवाल उठने लगे हैं। दुष्कर्म और हत्या के इस केस में कई खुलासे हुए हैं। वहीं, कोलकाता में रेप और मर्डर का शिकार हुई लेडी डॉक्टर के परिजनों को पुलिस ने पोस्टमार्टम रिपोर्ट सौंप दी है।

बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता में हमारी कोई भूमिका नहीं:अमेरिका

वाजेद बोले-मेरी मां का इस्तीफे से संबंधित बयान झूठा और मनगढ़ंत

वॉशिंगटन,(ईएमएस)। व्हाइट हाउस ने बांग्लादेश के आंतरिक मामलों में अमेरिकी हस्तक्षेप के आरोपों को खारिज कर दिया है। बांग्लादेश में हिंसा के चलते पूर्व पीएम शेख हसीना को इस्तीफा देकर देश छोड़कर जाने के लिए मजबूर होना पड़ा। व्हाइट हाउस ने कहा कि बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता में हमारी कोई भूमिका नहीं है। इन घटनाओं में अमेरिकी प्रशासन का हाथ होने संबंधी कोई भी खबर या अफवाह झूठी है। यह सच नहीं है।

मीडिया में आई खबरों पर व्हाइट हाउस ने कहा कि हसीना के कथित दावे के हवाले से कहा है कि हसीना का कहना है कि अगर उन्होंने सेंट मार्टिन द्वीप का आधिपत्य त्याग दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभुत्व स्थापित करने की अनुमति दी होती, तो वह सत्ता में बनी रहतीं। इन रिपोर्ट्स को व्हाइट हाउस ने खारिज कर दिया है। हसीना के बेटे सजीब वाजेद ने इस बात से इनकार किया है कि उनकी मां ने ऐसा कोई बयान दिया है।

वाजेद ने एक्स पर पोस्ट में लिखा-हाल ही में एक अखबार में प्रकाशित मेरी मां का इस्तीफे से संबंधित बयान पूरी तरह से झूठा और मनगढ़ंत है। उन्होंने मुझसे बातचीत में इसकी पुष्टि की है कि उन्होंने ढाका छोड़ने से पहले या बाद में ऐसा कोई बयान नहीं दिया। व्हाइट हाउस ने कहा कि अपना भविष्य तय करना बांग्लादेश के लोगों का अधिकार और विशेषाधिकार है। अपने नेता को चुनना बांग्लादेशी लोगों का उनके लिए, उनके द्वारा लिया गया एक अहम फैसला है। हमारा मानना है कि बांग्लादेश के लोगों को अपनी सरकार का भविष्य तय करना चाहिए। किसी भी तरह के आरोपों पर हम यही कहते रहेंगे कि उनमें कोई सच्चाई नहीं है।

पतंजलि के खिलाफ अवमानना केस बंद

दिल्ली (ईएमएस)। पतंजलि आयुर्वेद और योग गुरु स्वामी रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को राहत देते हुए सुप्रीम कोर्ट ने उनके खिलाफ अदालत की अवमानना का केस बंद कर दिया है।कोर्ट ने दोनों को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि वे कोर्ट के आदेशों का उल्लंघन करते हुए कुछ भी करते हैं, जैसा कि पहले हुआ था, तो कोर्ट कड़ी सजा देगा। जस्टिस हिमा कोहली और जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की बेंच ने मंगलवार को फैसला सुनाया। 14 मई को सुप्रीम कोर्ट ने अवमानना नोटिस पर फैसला सुरक्षित रख लिया था। सुप्रीम कोर्ट इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर सुनवाई की थी, जिसमें कोविड वैक्सीनेशन और एलोपैथी की बदनामी का आरोप लगाया गया था।

दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु समेत उत्तर भारत और दक्षिण भारत के राज्यों में मॉनसून की बारिश जारी

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार पश्चिमी हिमालय क्षेत्र, उत्तर प्रदेश समेत पूर्वी भारत के ज्यादातर हिस्सों में अगले 7 दिन तक भारी बारिश के आसार हैं. जबकि राजस्थान, हरियाणा और नॉर्थईस्ट के ज्यादातर इलाकों में अगले 4 से 5 दिन तक तेज बारिश हो सकती है. केरल, तमिलनाडु, साउथ इंटीरियर कर्नाटक में अगले 5 दिन भारी से बहुत भारी बरसात होने की संभावना जताई गई है. पूर्वी राजस्थान, पूर्वी उत्तर प्रदेश, असम और मेघालय में भी बादल छाए रहेंगे. कर्नाटक, झारखंड, गुजरात क्षेत्र, पश्चिम राजस्थान, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, पश्चिमी मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, गंगीय पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु में भी अगले 7 दिनों तक रूक-रूक कर बारिश के आसार जताई गए हैं.

इस बीच दिल्ली, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, तमिलनाडु समेत उत्तर भारत और दक्षिण भारत के राज्यों में मॉनसून की बारिश जारी है. यूपी में भारी बारिश के बाद 15 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं. जबकि बिहार के कुछ हिस्सों में बाढ़ के हालात हैं. चेन्नई और बेंगलुरु में भारी बारिश ने लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी पर असर डाला है. हिमाचल में बारिश और लैंडस्लाइड के बाद तबाही मची है. यहां शिमला-किन्नौर समेत 2 नेशनल हाइवे और 195 सड़कें बंद हैं.

राम रहीम को 21 दिन की फरलो

चंडीगढ़ (ईएमएस)। हरियाणा विधानसभा चुनाव से ठीक पहले साध्वियों के यौन शोषण और कत्ल केस में सजा काट रहे डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम की 21 दिन की फरलो मंजूर हो गई है। मंगलवार सुबह राम रहीम रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर आया। वह उत्तर प्रदेश के बागपत में बरनावा आश्रम पहुंच गया है। 2 दिन पहले ही पंजाब एंड हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को कहा था कि वह राम रहीम को सोच-समझकर ही फरलो या पैरोल दे। इसके बाद सरकार ने राम रहीम को इस शर्त पर फरलो दी कि वह सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा में नहीं जाएगा। वह पूरे 21 दिन बागपत स्थित बरनावा आश्रम में रहेगा।

पोकरण में स्वदेशी एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल का सफल परीक्षण

सेना के जवान ने कंधे पर रखकर लॉन्च किया, अर्जुन टैंक में भी लग सकती है

जैसलमेर(ईएमएस)। जैसलमेर के पोकरण फील्ड फायरिंग रेंज में भारत ने स्वदेशी मैन पोर्टेबल एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइल हथियार प्रणाली का सफल परीक्षण किया। इसे रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने डेवलप किया है। यह पोर्टेबल मिसाइल कंधे से भी लॉन्च की जा सकती है। इसे दुश्मन के टैंक और बख्तरबंद वाहनों को बेअसर करने के लिए डिजाइन किया गया है। इस मिसाइल से रात में भी हमले किए जा सकते हैं। यह मिसाइल भारतीय थल सेना और पैरा कमांडो के लिए तैयारी की गई है।

एमपी-एटीजीएम हथियार प्रणाली का वजन 14.5 किलोग्राम है और लंबाई 4.3 फीट है। इसे पहली बार कंधे पर रखकर रॉकेट लॉन्चर की तरह लॉन्च किया गया। इसकी रेंज 200 मीटर से लेकर 2.5 किलोमीटर है। इसमें टैंडम चार्ज हीट और पेनीट्रेशन वॉरहेड लगा सकते हैं। इस गाइडेड एंटी-टैंक मिसाइल को भविष्य में अर्जुन टैंक में भी लगाया जा सकता है। यानी टैंक गोले के साथ-साथ मिसाइल भी दागेगा। फिलहाल इसके ट्रायल पूरे हो चुके हैं।

सेना में इस मिलाइल के शामिल होने के बाद फ्रांस में बनी मिलन-2टी और रूस में बनी कॉन्कर्स एंटी-टैंक गाइडेड मिसाइलों के पुराने वर्जन को हटाया जाएगा। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने इन सफल परीक्षणों के लिए डीआरडीओ और भारतीय सेना की सराहना की है, और इसे उन्नत प्रौद्योगिकी-आधारित रक्षा प्रणाली के विकास में आत्मनिर्भरता हासिल करने की तरफ महत्वपूर्ण कदम बताया है।

नक्सलियों के ठिकाने से 38 लाख कैश मिले

- 23 ग्रेनेड-लॉन्चर समेत विस्फोटक भी बरामद

रायपुर (ईएमएस)। छत्तीसगढ़ में गरियाबंद-धमतरी पुलिस को नक्सलियों के ठिकाने में दबिश देने पर बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस को 38 लाख रुपए कैश मिले हैं। इसे ओडिशा स्टेट कमेटी के धमतरी-गरियाबंद-नुआपाड़ा डिवीजन के नक्सलियों ने डंप कर रखा था। इसके अलावा पुलिस को 23 बीजीएल राउंड (बैरेल ग्रेनेड लॉन्चर) और 13 डेटोनेटर समेत भारी मात्रा में विस्फोटक सामाग्री भी मिली है। रायपुर रेंज के अंदरूनी क्षेत्रों में नक्सल विरोधी अभियान चलाया जा रहा है। इसी सिलसिले में पुलिस को सूचना मिली थी।

सूचना थी कि, प्रतिबंधित संगठन सीपीआई माओवादी के निर्देश पर स्थानीय नक्सलियों ने व्यापारियों से अवैध रूप से लेवी वसूल की है। इस वसूली से मिले कैश और बाकी नक्सल सामग्रियों को गरियाबंद और धमतरी के अलग-अलग क्षेत्रों में डंप कर छिपाया गया है। सूचना मिलने पर गरियाबंद-धमतरी पुलिस बल और सीआरपीएफ की टीम ने विशेष सर्चिंग अभियान चलाया। धमतरी-गरियाबंद के सीमा पर छोटे गोबरा और पेंड्रा के जंगल में सामान डंप करने के लिए जमीन में गहरा गड्ढा खोदा गया था। इसमें कैश और विस्फोटक सामाग्रियों को रखने के बाद मिट्टी और झाड़ियों से छिपा दिया गया था। जिसे सुरक्षाबलों ने सर्चिंग के दौरान बरामद किया। 10 जुलाई को संयुक्त टीम रवाना हुई थी और यह ऑपरेशन 12 जुलाई को पूरा हुआ।

महंगाई-बेरोजगारी के कारण कर्ज के जाल में फंस रहे भारतीय....

5 साल में 29,486 लोगों ने कर्ज से परेशान होकर की आत्महत्या

कर्ज छीन रही जिंदगियां!

-भारत में होने वाली 100 में से हर चौथी आत्महत्या कर्ज या आर्थिक तंगी के कारण हो रही है

नई दिल्ली(ईएमएस)। देश में कर्ज या आर्थिक तंगी से परेशान होकर आत्महत्या करने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। याद होगा कि पिछले साल राजधानी भोपाल में एक पूरा परिवार कर्ज के कारण खत्म हो गया था। भोपाल में एक कपल ने पहले अपने दो छोटे बच्चों को जहर दिया और फिर खुद भी जहर खाकर आत्महत्या कर ली। इसी साल मई में फरीदाबाद में एक ही परिवार के छह लोगों ने नींद की गोलियां खाकर जान देने की कोशिश की थी। परिवार कर्ज में डूबा हुआ था। गनीमत रही कि पांच लोगों को बचा लिया गया, लेकिन 73 साल के बुजुर्ग की मौत हो गई थी। ये तो कुछ ही मामले हैं। इंटरनेट पर ढूंढेंगे तो ऐसे ढेरों मामले मिल जाएंगे, जिसमें आर्थिक तंगी और कर्ज ने पूरा का पूरा परिवार ही खत्म कर दिया।

नेशनल क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के आंकड़े बताते हैं कि भारत में कर्ज कितना जानलेवा बनता जा रहा है। एजेंसी पर आत्महत्या के 2022 तक के आंकड़े मौजूद हैं। इससे पता चलता है कि भारत में होने वाली सौ में से हर चौथी सुसाइड कर्ज या आर्थिक तंगी के कारण होती है। 2022 में देशभर में 1.70 लाख से ज्यादा लोगों ने खुदकुशी कर ली थी। इनमें से सात हजार से ज्यादा लोग ऐसे थे जिन्होंने कर्ज से परेशान होकर आत्महत्या की थी। इस हिसाब से हर दिन औसतन 19 लोगों ने सुसाइड की। आंकड़े बताते हैं कि 2018 से 2022 के बीच पांच साल में कर्ज से परेशान होकर 29 हजार 486 लोग आत्महत्या कर चुके हैं।

14.16 लाख करोड़ का कर्ज

भारतीय परिवारों पर कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। नतीजा ये हो रहा है कि इससे बचत नहीं हो पा रही है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारतीय परिवारों की बचत लगातार कम हो रही है, क्योंकि लोगों पर कर्ज बढ़ रहा है। 2020-21 में घरेलू बचत 23.29 लाख करोड़ रुपये पहुंच गई थी। ये अब तक का रिकॉर्ड है। लेकिन उसके बाद से इसमें लगातार गिरावट आ रही है। 2021-22 में ये आंकड़ा गिरकर 17.12 लाख करोड़ और 2022-23 में और गिरकर 14.16 लाख करोड़ हो गया।

घरेलू बचत 47 साल के निचले स्तर पर

आरबीआई के आंकड़े बताते हैं कि भारत में नेट हाउसहोल्ड सेविंग्स यानी शुद्ध घरेलू बचत 47 साल के निचले स्तर पर है। 2022-23 में ये जीडीपी का 5.3 प्रतिशत हो गई, जो 2021-22 में 7.3 प्रतिशत थी। बचत इसलिए कम हो रही है, क्योंकि लोगों पर कर्ज बढ़ रहा है। उनकी कमाई का एक हिस्सा कर्ज चुकाने में चला जाता है। वहीं, नेशनल सैंपल सर्वे ऑफिस के आंकड़े बताते हैं कि 2012 में शहरी इलाकों में 22.4 प्रतिशत परिवारों पर कर्ज था। 2018 में भी ये आंकड़ा 22.4 प्रतिशत ही रहा। लेकिन इसी दौरान कर्जदार ग्रामीण परिवारों का आंकड़ा 31 प्रतिशत से बढक़र 35 प्रतिशत हो गया। एनएसएसओ के आंकड़े बताते हैं कि जून 2018 तक ग्रामीण परिवारों पर औसतन 59 हजार 748 रुपये का कर्ज था। जबकि, शहरी परिवारों पर ये कर्ज लगभग दोगुना था। शहरी परिवारों पर 1,20,336 रुपये का कर्ज था। ये आंकड़ा लगभग छह साल पुराना है और जाहिर है कि इसमें बढ़ोतरी हुई होगी। हाल ही में आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने भी कहा था कि लोग लोन लेकर शेयर मार्केट और म्यूचल फंड में इन्वेस्ट कर रहे हैं। उन्होंने चिंता जताई थी कि एक ओर बैंकों की क्रेडिट ग्रोथ बढ़ रही तो दूसरी ओर डिपॉजिट में कमी आ रही है। इससे बैंकों के डूबने का खतरा भी है।

साल दर साल कर्ज के कारण आत्महत्या

2018 - 4,970
2019 - 5,908
2020 - 5,213
2021 - 6,361
2022 - 7,034

स्पैम कॉल और फोन कर लोगों को ठगने वाले धोखेबाजों पर ट्राई का अंकुश

नई दिल्ली (ईएमएस)। स्पैम कॉल और फोन कर लोगों को ठगने वाले धोखेबाजों की दोहरी समस्याओं पर अंकुश लगाने के लिए कार्रवाई करते हुए दूरसंचार नियामक ट्राई ने टेलीकॉम कंपनियों को अपंजीकृत टेलीमार्केटर्स के कॉल रोकने और उन्हें दो साल तक के लिए ब्लैकलिस्ट करने का निर्देश दिया है। इससे आम लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। भारत में हाल के दिनों में रोबोकॉल में भी वृद्धि देखी गई है, जिसमें रिकॉर्ड की गई या कंप्यूटर-जनित आवाजों का उपयोग किया जाता है। साथ ही ऐसे कॉल भी आते हैं, जिनमें उपभोक्ताओं को बताया जाता है कि उनके कोरियर को कस्टम द्वारा रोक दिया गया है या उनके फोन कनेक्शन या किसी अन्य तरह का कनेक्शन कटने वाला है।ये लोगों को लालच देकर या डराकर एक नंबर दबाने के लिए कहा जाता है और उसके बाद जालसाज बैंक खाते साफ कर देता है। इसके अलावा मार्केटिंग वाले कॉल्स की संख्या भी काफी बढ़ गई है। धोखाधड़ी वाली कॉल्स से लोगों को करोड़ों रुपये का नुकसान हुआ है और यहां तक कि ब्लैकमेल तक किया गया है। देश भर में धोखाधड़ी वाले कॉल सेंटर भी खुल गए हैं और जामताड़ा जैसे शहर असंगठित और फिर संगठित तरीके से ऐसे घोटाले करने के लिए बदनाम हुए हैं। निवेश पर अत्यधिक रिटर्न का वादा करने वाली योजनाओं को आगे बढ़ाकर भी धोखाधड़ी की जाती हैं।

मंगलवार को जारी एक निर्देश में भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने कहा कि उसने टेलीकॉम कंपनियों को स्पैम कॉल करने वाले सभी फोन नंबर्स को डिस्कनेक्ट करने और दूरसंचार वाणिज्यिक संचार ग्राहक वरीयता विनियम 2018 के तहत ब्लैकलिस्ट करने के निर्देश जारी किए हैं। ट्राई ने कहा कि सभी एक्सेस सेवा प्रदाताओं (दूरसंचार कंपनियों) को वॉयस प्रमोशनल कॉल को तुरंत बंद करने के लिए कहा गया है चाहे पूर्व-रिकॉर्ड किए गए हों या कंप्यूटर से तैयार किए गए हों या एसआईपी/पीआरआई या यूटीएम से हों। यदि कोई अपंजीकृत सेंडर/अपंजीकृत टेलीमार्केटर नियमों का उल्लंघन करते हुए व्यावसायिक वॉयस कॉल करने के लिए अपने टेलीकॉम संसाधनों का दुरुपयोग करता हुआ पाया जाता है और उसके खिलाफ एक या अधिक उपभोक्ता शिकायतें आती हैं तो ऐसे नंबरों को दो साल तक की अवधि के लिए डिस्कनेक्ट कर दिया जाए।

आने वाले 5 साल दुनिया के लिए बेहद भयानक होने वाले हैं - विदेश मंत्री एस जयशंकर

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा है कि आने वाले 5 साल दुनिया के लिए बेहद भयानक होने वाले हैं। दुनिया युद्ध के मुहाने पर खड़ी है।

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक कार्यक्रम में कहा, रूस और यूक्रेन के बीच ढाई साल से ज्यादा समय से जंग चल रही है। इससे वेस्ट एशिया में मिलिट्री टेंशन बढ़ता जा रहा है। जबकि साउथ ईस्ट में भी उथल-पुथल शुरू हो चुकी है। दुनिया के सामने आर्थिक चुनौतियां बड़ी होती जा रही हैं। वहीं, क्लाइमेट चेंज भी हमारी चिंता को बढ़ा रहा है। विदेश मंत्री से पूछा गया था कि दुनिया के ताजा हालात पर उनकी क्या राय है? इसके जवाब में जयशंकर ने कहा, मैं एक आशावादी इंसान हूं। आम तौर पर मैं समाधान से निकलने वाली समस्याओं के बजाय समस्याओं के समाधान के बारे में सोचता हूं। मैं बहुत संयम के साथ कहूंगा कि हम एक असाधारण कठिन दौर से गुजर रहे हैं।

जयशंकर ने दुनिया में चल रही दो जंग और ईरान-इजरायल में बढ़ते मनमुटाव पर कहा, इनके बीच का तनाव धीरे-धीरे आर्थिक चुनौतियों में तब्दील होता जा रहा है। जैसे बीते साल रूस और यूक्रेन में चल रही जंग की वजह से ईंधन के दामों में बढ़ोतरी हो गई थी। उर्वरकों के दाम में भी अचानक से इजाफा दर्ज किया गया था।

जयशंकर कहते हैं, इन दिनों आप देख सकते हैं कि दुनिया किन आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ज्यादा से ज्यादा देश संघर्ष कर रहे हैं। आज कारोबार करना मुश्किल होता जा रहा है। फॉरिन एक्सचेंज की भी शॉर्टेज होने लगी है। विकास के रास्ते में इसी तरह की कई बाधाएं हैं। विदेश मंत्री ने इसके साथ ही लाल सागर में समुद्री लुटेरों की घटनाओं पर भी चिंता जताई है। ईरान समर्थित हूथी मिलिशिया के लड़ाके कमर्शियल जहाजों को टारगेट कर रहे हैं। उन्होंने कहा- लाल सागर में जो हो रहा है, वो अब सिर्फ न्यूज तक सीमित नहीं रह गया। इसके भयंकर परिणाम होने जा रहे हैं। जयशंकर ने इस दौरान अमेरिका के इलेक्शन पर ज्यादा कुछ तो नहीं बोला, लेकिन उन्होंने कहा कि अमेरिका में चाहे ट्रंप आए या कमला हैरिस। जो भी आएगा भारत सरकार उसके साथ काम करने को तैयार है।

जन हितैषी

अपराधियों और अपराधों से राजनीतिक दलों की पहचान

इन दोनों अपराध और अपराधियों से राजनीतिक दलों की पहचान की जा रही है राजनीतिक दल एक दूसरे के ऊपर हमला करने के लिए अब अपराधियों का सहारा ले रहे हैं पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक दलों की पहचान कुछ इसी तरीके से बनती जा रही है कौन से राजनीतिक दल में कितने अपराधी हैं यह किस सरकार में कितने अपराध हुए हैं उसको लेकर राजनीतिक दलों को एक नई पहचान दी जा रही है इस काम में नेशनल मीडिया भी बड़ा योगदान दे रहा है जहां पर गैर भाजपा दलों की राज्य सरकारें हैं वहां पर कोई अपराधिक घटना होती है या कोई अपराधी पकड़ा जाता है तो उसे राजनीतिक दल के नेता या कार्यकर्ता के रूप में प्रचारित किया जाता है पिछले कुछ वर्षों से नेशनल मीडिया पर केंद्र सरकार और भाजपा का प्रभाव है उन्हीं राज्यों की घटनाएं सबसे ज्यादा प्रचारित नेशनल मीडिया में होती हैं जहां पर गैर भाजपाई सरकारें हैं लोकसभा चुनाव के पूर्व जिस तरह से पश्चिम बंगाल में संदेश खाली का मामला कई महीनो तक तूल पकड़ता रहा अन्य राज्यों में जब इसी तरह की घटना होती है जिन राज्यों में गैर भाजपा की सरकार होती है वहां पर भाजपा कार्यकर्ता लगातार विरोध प्रदर्शन करते हैं नेशनल मीडिया पर सुनियोजित रूप से उसका प्रचार प्रचार किया जाता है लेकिन जहां भाजपा की राज्य सरकारें हैं या केंद्र शासित प्रदेशों में जब इस तरह की घटनाएं होती हैं तब मीडिया में उसे स्थान नहीं मिलता है नाही गैर भाजपाई दल कोई आंदोलन खड़ा कर पाते हैं यदि आंदोलन करते भी हैं तो उसे मीडिया पर जगह नहीं मिलती है जैसे ही चुनाव खत्म हुआ संदेश खाली का मामला ठंडे बस्ते में चला गया समय-समय पर टीएमसी और ममता बनर्जी को निशाने पर लेने के लिए भाजपा नेता इसका उपयोग करते हैं हाल ही में एक सरकारी मेडिकल कॉलेज में महिला डयूटी डॉक्टर की हत्या का मामला सामने आया यौन उत्पीड़न के साथ उसके साथ जिस तरह की दरिंदगी की गई उसकी हालत को देखते हुए मानवता शर्मसार हो गई है लेकिन इसका उपयोग राजनीतिक हित के लिए करना यह ज्यादा शर्मसार करने वाला है सरकारी मेडिकल कॉलेज में डयूटी के दौरान जिस अपराधी द्वारा यह कृत्य किया गया है इस तरह का कृत्य आगे कोई ना कर पाए इसके लिए सरकार राजनीतिक दल सामाजिक कार्यकर्ता महिला संगठन सभी को विचार करना होगा जिस महिला डॉक्टर के साथ यह अपराध हुआ था वह इस मेडिकल कॉलेज की पुलिस चौकी में अक्सर बैठता था मेडिकल कॉलेज में आता जाता था पुलिस द्वारा जब उसे गिरफ्तार किया गया तो उसके मोबाइल फोन पर बहुत सारे पॉर्न वीडियो मिले तहकीकात में यह भी जानकारी मिली कि इस आरोपी द्वारा लगातार छेड़छाड़ की घटना की जा रही थी इसकी शिकायतें दर्ज नहीं कराई गई जिसके कारण इस अपराधी के हौसले बढ़ते रहे अपराधियों का कोई धर्म नहीं होता है अपराधियों का कोई राजनीतिक दल भी नहीं होता है अपराध की प्रवृत्ति स्वयं अपराधी की होती है सामाजिक व्यवस्था में अपराध करने वाला व्यक्ति कोई भी हो सकता है जरूर इस बात की है कोई भी व्यक्ति जब कोई अपराध करता है तो उसे अपराध के लिए बिना किसी भेदभाव और बिना किसी संरक्षण के दंडित किया जाना चाहिए सामाजिक व्यवस्था में दंडित किए जाने का प्रावधान इसलिए रखा जाता है की दंड को देखते हुए लोग अपराध करने से डरें भारत की राजनीतिक व्यवस्था और जांच एजेंसियों द्वारा सही तरीके से जांच नहीं करने रिश्वत और राजनीतिक दबाव के चलते अपराधियों को अप्रत्यक्ष रूप से बचाने का जो काम किया जाता है उसके कारण भारत की कानून व्यवस्था की स्थिति मैं डर और भय नाम की कोई चीज नहीं रही है जब तक कानून का डर और भय नहीं होगा कब तक अपराधों को नियंत्रित भी नहीं किया जा सकेगा केवल कानून बना देने से और दंड देने से कानून व्यवस्था की स्थिति बेहतर नहीं होती है कानून व्यवस्था और सामाजिक व्यवस्था के लिए समाज का भी नैतिक होना जरूरी है शासन प्रशासन और जांच एजेंसी की भूमिका भी नैतिक और जिम्मेदारी के साथ होनी चाहिए तभी इस तरह के अपराधों पर काबू पाया जा सकता है अपराध और अपराधी कभी भी राजनीतिक व्यवस्था का अंग नहीं हो सकता है दुबई जैसे देश मैं जहां दुनिया के हर देश से आदमी पहुंचता है वह एक मुस्लिम कंट्री है लेकिन वहां की कानून व्यवस्था मैं कोई भेदभाव नहीं होने के कारण वहां पर अपराध करने के पहले अपराधी 100 बार सोचता है भारत सरकार जब भी कोई घटना होती है भीड़ तंत्र को ध्यान में रखते हुए बिना सोचे और समझे कड़े से कड़े कानून और कड़े से कड़े दंड का प्रावधान तो कर देती है लेकिन उनका पालन नहीं करा पाती है कुछ महीने पहले महिला खिलाड़ियों ने यौन शोषण के खिलाफ एक रिपोर्ट दर्ज कराई थी पुलिस ने लंबे समय तक रिपोर्ट दर्ज नहीं की महिला खिलाड़ियों को कोर्ट का सहारा लेना पड़ा कोर्ट के आदेश में एफ़आईआर तो हो गई लेकिन बृजभूषण शरण सिंह भारतीय जनता पार्टी के सांसद थे पोक्सो एक्ट में रिपोर्ट दर्ज होने के बाद बिना किसी भेदभाव के गिरफ्तारी की जानी चाहिए थी जो नहीं की गई उसके बाद महिला खिलाड़ियों को कार्रवाई के लिए कई दिनों तक जंतर मंतर में बैठकर प्रदर्शन करना पड़ा उसके बाद भी सरकार और दिल्ली की पुलिस उसे बचाती रही धरना प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस ने महिला खिलाड़ियों के आंदोलन को खत्म करने के लिए उनका उत्पीड़न किया यह कोई सामान्य घटना नहीं थी जब कानून का पालन अपराधियों के चेहरे के आधार पर होगा तब कानून व्यवस्था की स्थिति देश में क्या होगी इसका सहज अंदाजा लगाया जा सकता है जिस महिला खिलाड़ी ने यौन शोषण का आरोप लगाया था वह अंतरराष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ी थी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी उसे जब न्याय नहीं दिला पाए आज भी उस महिला खिलाड़ी का शोषण किए जाने की बात सामने आती है ओलंपिक में भेजने के दौरान उसे लगातार प्रताड़ित किया गया 53 किलोग्राम वजन की महिला खिलाड़ी को 50 किलोग्राम के वजन पर खिलाया गया जब उसने रजत पदक जीत लिया और स्वर्ण पदक जीतने वाली थी 100 ग्राम वजन ज्यादा होने के आरोप में उसे ओलंपिक से निष्कासित कर दिया गया जब इस तरह की राजनीति कानून और न्याय व्यवस्था को आधार बनाकर लोगों को प्रताड़ित करने के लिए की जाएगी तो इसमें विद्रोह ही उत्पन्न होता है कानून व्यवस्था की स्थिति दिनों दिन खराब होती है और अपराधी लगातार सशक्त होकर आम लोगों के साथ अत्याचार करने का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं पिछले कुछ वर्षों में राजनीतिक दलों द्वारा अपराधियों को संरक्षण देकर जिस तरह की राजनीति की जा रही है यह दुर्भाग्यपूर्ण है आम जनता को स्वयं अपने अधिकारों और सुरक्षा के लिए सामने आना पड़ेगा सरकारों के भरोसे रहने और एक दिन प्रदर्शन करने से कुछ होने वाला नहीं है।

पेरिस ओलंपिक में भारत का अभियान फीका रहा

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा और उसे 6 पदक ही मिल पाये जबकि पिछले ओलंपिक में भारत ने 7 पदक जीते थे। इस बार उम्मीद थी कि पदक तालिका दो अंकों तक पहुंचेगी पर ऐसा नहीं हुआ। ओलंपिक में भारतीय दल 71वें स्थान पर रहा। इस बार भारत को एक भी स्वर्ण नहीं मिला, ऐसे में स्वदेश लौटते समय दल में उत्साह की कमी देखी गयी।

केन्द्र सरकार ने ओलंपिक को ध्यान में रखते हुए खेलो इंडिया की जो योजना शुरु की थी। उसका भी कोई लाभ नहीं दिखा। पिछली बार भाला फेंक में नीरज चोपड़ा ने स्वर्ण जीता था जबकि वह इस बार रजत ही जीत पाये। महिला पहलवान विनेश फोगाट के केवल 100 ग्राम अधिक वजन होने के कारण अयोग्य होने का दर्द भी भारतीय दल को हमेशा रहेगा। इसके अलावा ये भी समझना होगा कि केवल बेहतर सुविधाओं को देकर पदक जीते जा सकते हैं। एक रिपोर्ट के केंद्र सरकार ने पिछले तीन सालों में ओलंपिक के लिए 470 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। यह पहले के आंकड़ों से काफी ज्यादा है पर उसका भी लाभ नजर नहीं आया है। अगर देखें तो सबसे ज्यादा खर्च एथलेटिक्स 96.08 करोड़ रुपए हुआ, उसके बाद बैडमिंटन पर 72.02 करोड़ रुपए, मुक्केबाजी पर 60.93 करोड़ रुपए और निशानेबाजी पर 60.42 करोड़ रुपए खर्च हुआ। पेरिस में भारत ने जिन 16 खेलों में हिस्सा लिया, उन सभी को काफी पैसा मिल पर खिलाड़ियों का प्रदर्शन फिर भी अच्छा नहीं रहा।

भारत ने पेरिस ओलंपिक में 117 खिलाड़ियों को भेजा था जिनमें 47 महिला खिलाड़ी शामिल थी। समापन समारोह में पीआर श्रीजेश और मनु भाकर ध्वजवाहक के रूप में शामिल हुए। भारत ने पेरिस ओलंपिक खेलों में अपने अभियान का समापन छह पदकों के साथ किया। मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में और सरबजोत सिंह के साथ 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में कांस्य पदक जीते। वहीं डोमिनिका ओलंपिक में पदक जीतने वाला सबसे छोटा देश रहा। वहीं चीन के सबसे अधिक आबादी वाला देश रहा। उसने बिलियन लोगों ने 91 पदक जीते। जिनमें से 40 स्वर्ण पदक थे, जबकि भारत ऐसा देश था जिसकी जनसंख्या 1 बिलियन से अधिक थी, लेकिन 6 मेडल ही झोली में आए।

क्या यही था शहीदों के सपनों का सशक्त भारत?

भारत लगभग 400 वर्षों तक विदेशियों का गुलाम रहा। यहां फ्रांसिसी आए, अपनी कालोनियां बसाई फिर पुर्तगाली आए। व्यापार करने के बहाने अंग्रेज भी भारत में दाखिल हुए। 1757 ई में प्लासी विजय के बाद अंग्रेजों का भारत पर पूरी तरह राजनीतिक अधिकार हो गया। तकरीबन दो सौ वर्षो के कठिन संघर्षो और असंख्य बलिदानों के बाद 15 अगस्त 1947 को हमारा देश स्वतंत्र हुआ। आजादी के लिए हमारे अनगिनत स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने जीवन का त्याग किया और इन्हीं लोगों के कारण हम आज स्वतंत्र देश में रहने का आनंद ले रहे हैं। क्या महिला, क्या पुरुष यहां तक कि छोटे छोटे बच्चे जाति धर्म और क्षेत्र से ऊपर उठकर आजादी की लड़ाई में शामिल हुए। सबने सम्मालित रूप से स्वतंत्र भारत का एक महास्वप्न देखा था। उनके लिए आजादी का मतलब था कि भारत एक ऐसा देश होगा जहां सच्चे अर्थो में समानता की आजादी होगी। कोई किसी पर शासन नहीं करेगा। सभी के लिए निष्पक्ष और समान अवसर होंगे। हालांकि हमारे संविधान ने लोगों के इन सपनों को साकार करने और सभी नागरिकों के लिए समान अधिकार सुनिश्चित करने की नींव रखी बाबजूद इसके आजादी के 76 वर्ष बाद भी आज जब भारत में लोग गरीबी में मर रहे हों, जातिवाद और पितृसत्ता की बेड़ियाँ अभी भी हमारे समाज को गुलाम बनाए हुए हों, तब आज़ादी का जश्न अधूरा और निरर्थक लगता है।

क्या यही वह सामूहिक सपना था जो हमारे पूर्वजों ने देखा था। मेरे दादाजी जिन्होंने स्वयं आजादी की लड़ाई में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की थी बताते थे कि आजादी की लड़ाई सभी के लिए समान समानता प्राप्त करने के लिए लड़ा गया था पर आज स्वतंत्र भारत की वास्तविकता तो कुछ और ही बयां कर रही है। आजादी प्राप्त करने के पीछे उद्देश्य था कि देश के संसाधनों पर सबों का समान हिस्सेदारी और अधिकार हो। दुर्भाग्य है कि आज भारत गरीबों का एक अमीर देश बन कर रह गया है। देश की संसाधनों पर मुट्ठी भर लोगों का अधिकार है। आर्थिक असमानता दिन-ब-दिन बढ़ती ही जा रही है। भारत के केवल 1ड्ड लोगों के पास कुल राष्ट्रीय संपत्ति का 59ड्ड हिस्सा है जबकि 70ड्ड लोगों के पास राष्ट्रीय संपत्ति का केवल 7ड्ड हिस्सा ही है। अमीर और अमीर होते जा रहे हैं और गरीब दो जुन की रोटी के लिए संघर्ष कर रहा है और विषम परिस्थितियों में तो आत्महत्या तक करने को मजबूर हो रहा है। निश्चित तौर पर आजादी का जश्न मनाते हुए हमारा सिर फक्र से ऊंचा रहेगा लेकिन साथ ही हमें यह कभी नहीं भूलना चाहिए कि असंख्य बलिदानों के बाद मिली यह आजादी आजाद भारत के लोगों को समर्पित थी। आज फिर आवश्यक है कि प्रत्येक भारतवासी स्वाधीनता के भाव के साथ अनिवार्य रूप से जुड़ी कर्तव्य की पुकार को भी सुनें। क्षेत्रीय घरौंदो से ऊपर उठकर स्वयं को केवल भारतीय होने की पहचान दें।

कभी कभी मै अपनी और मुझ जैसी अनगिनत बहनों की आजादी के विषय मे सोचती हूं तो एक सवाल अक्सर जहन में आता है कि एक महिला होने के नाते क्या मैं अपने स्वतंत्र देश मे न्यूनतम स्वतंत्र होने के भ्रम का आनंद नहीं ले सकती हूं? हालांकि कानूनी तौर पर में स्वतंत्र हूं। हमें बताया गया है कि हमारे संविधान ने गुलामी की प्रथा को समाप्त कर दिया है लेकिन क्या हम महिलाएं वास्तव में स्वतंत्र हैं? हमे वोट देने का अधिकार प्राप्त है। हम भी अपनी पसंद का काम करने के लिए स्वतंत्र हैं लेकिन साथ ही हमे यह भी सिखाया जाता है कि पितृसत्ता की सीमाओं का उल्लंघन हमे कतई नहीं करना है अन्यथा समाज हमे एक ऐसे जीवन में जकड़ने के लिए मौजूद है जहां हमे अपने जीवन से संबंधित निर्णय लेने की कोई स्वतंत्रता नहीं होगी। एक महिला के जीवन की प्रत्येक पसंद पुरुषों द्वारा तय की जाती है - महिलाएं क्या पहनेंगी। वह घर से बाहर कब जाएंगी। वह किससे बात करेंगी। किससे प्यार करेंगी। एक आजाद देश में आखिर ऐसा क्यों? यदि हम महिलाएं पितृसत्ता और उसे गुलाम बनाने वाली सांस्कृतिक परंपराओं की बेड़ियों को तोड़कर रात में बाहर निकलती है तो सभी परिणामों के लिए हमे ही जिम्मेदार ठहराया जाता है। फिर भी हम कैसे मान लेते है कि महिलाएं संविधान द्वारा प्रदत्त स्वतंत्रता का आनंद ले रही हैं। लेकिन इस स्थिति के बावजूद हमारी आजादी के कुछ मायने हैं। यह मेरी स्वतंत्रता है जो सुनिश्चित करती है कि मैं यहां लिखने, अपनी राय और अपनी असहमति को स्वतंत्र रूप से व्यक्त करने में सक्षम हूं।

समाज में सभी वर्गों की समानता भी स्वतंत्रता का एक महत्वपूर्ण पहलू है। मौजूदा भारत के लिए यह कभी सच न होने वाला सपना जैसा प्रतीत होता है।

बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में दिए गए अपने एक भाषण में महात्मा गांधी ने कहा था मैंने जिस लोकतंत्र की कल्पना की है उसकी स्थापना अहिंसा से होगी। उसमें सभी को समान स्वतंत्रता मिलेगी। हर व्यक्ति खुद का मालिक होगा। इस तरह के लोकतंत्र के संघर्ष के लिए मैं आपका आमंत्रित करता हूं। बापू के हरि का जन हरिजन या दलित आज भी इतने सालों बाद भी अपनी जाति के गुलामी के बेड़ियों से जकड़े हुए हैं। संवैधानिक तौर पर तो उन्हें समानता दे दी गई लेकिन सामाजिक तौर पर वे आज भी असमान हैं। उनकी पहचान एक इंसान की नहीं है बल्कि उनकी जाति उनकी प्राथमिक पहचान की भूमिका निभाती है। विभिन्न सामाजिक प्रतिबंधों के तहत उन्हें दूसरी जाति में प्यार करने और अपना जीवन साथी ढूंढने की आजादी नही। स्वतंत्र भारत के हमारे जाति-ग्रस्त समाज में दलित आज भी स्वतंत्र नहीं हैं। दलित या आदिवासी के लिए चीजें तब तक सामान्य प्रतीत होती हैं जब तक वह उच्च जाति के मानदंडों का पालन करता है। लेकिन अगर कभी वह यह सोचकर सामंती समाज के मानदंडों को चुनौती देते हैं कि वे स्वतंत्र भारत में रह रहे हैं तो उन्हें और उनकी आवाज को कुचलने का भरसक प्रयास किया जाता है। हो सकता है कि उन्हें रोहित वेमुला की तरह हिंसा की सज़ा दे दिया जाए या पीट-पीट कर मार डाला जाए।विडम्बना यह है कि दलित असमंजस में हैं कि वे क्या करें? जाहिर है देशभक्ति का कोई एक पैमाना नहीं होता त लोगों को अपने तरीके से देश के प्रति स्नेह प्रकट करने की स्वतंत्रता होनी चाहिए। लोकतंत्र में ना कोई राजा होता है ना कोई प्रजा बल्कि जनता द्वारा चुने हुए जनप्रतिनिधि होते हैं। विरोध करना और अपनी बात रखना लोकतंत्र में मौलिक अधिकार बनता है। बड़े बुज़ुर्ग कहते हैं कि धरने प्रदर्शन का अंदाज़ ही किसी भी लोकतंत्र को ज़िंदा रखने में दवा का काम करती हैं।किसान आन्दोल हो या महिला पहलवानों का धरना। दोनो ही मामलों में कहा गया कि ये आन्दोलन नहीं है बल्कि सरकार को हटाने की देशविरोधी साजिश है। हालाँकि उनकी अपनी कुछ मांगे थी और जैसे ही सरकारी आश्वासन मिला धरना समाप्त भी हो गया। किसी को इस आधार पर देशद्रोही नहीं ठहराया जा सकता है क्योंकि उसके विचार सरकार की नीतियों के अनुरूप नहीं हैं। अगर लोकतान्त्रिक तरीके से चुनी गयी किसी सरकार से सवाल पूछना या उसकी नीति के विरुद्ध आन्दोलन करना देश विरोध है तो यकीन मानिए आजादी के 76 वर्ष बाद भी हम गुलाम ही है। यदि देश सकारात्मक आलोचना के लिए तैयार नहीं है तो आजादी से पहले और बाद के युग में क्या अंतर रह जाता है।

भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस महात्मा गांधी जैसे अनगिनत सेनानियों के बलिदानो एवं अथक प्रयासों से देश अंग्रेजी हुकूमत से आजाद तो हो गया पर सही मायने में क्रान्तिकारी संग्राम आज भी खत्म नहीं हुआ है। वह आज भी टेढ़े-मेढ़े रास्ते से गुजरता हुआ जारी है। शहीद भगत सिंह और उनके साथियों ने जिस तरह के आजाद भारत का सपना देखा था, वो अभी भी अधूरा है। आदर्श समाज होगा, गरीबी-अमीरी में फर्क न हो, कमजोर वर्ग को सताया न जाए और सबको समानता मिले। सौ साल देश में गरीबी, भुखमरी, भ्रष्टाचार जैसी समस्याएं थीं, वो आज भी हैं। भगत सिंह ने ठीक ही कहा था- 'न तो हमने इस लड़ाई की शुरूआत की है और न ही यह हमसे खतम होगी। यह लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक 'आदमी द्वारा आदमी का' एवं 'साम्राज्यवादी राष्ट्र द्वारा कमजोर राष्ट्रों का ' शोषण व दोहन जारी रहेगा। (लेखक- निमिषा सिंह/ ईएमएस)

मालदीव-भारत के बेहतर होते रिश्तों के सबब

चीन की कटपुतली बने मालदीव को आखिर भारत की कीमत समझ में आ गयी। चीन एवं पाकिस्तान की कुचालों एवं षडयंत्रों से भारत के पडोसी देशों की हालात जर्जर होती जा रही है, जिसका ताजा उदाहरण बांग्लादेश है। लेकिन एक पडोसी देश के रूप में पिछले करीब एक साल की अवधि में मालदीव ने भी गहरे हिचकोले खाने एवं कई कड़वे अनुभवों से गुजरने के बाद अब पटरी पर आ गया है। विदेश मंत्री एस जयशंकर की पिछले सप्ताह हुई मालदीव यात्रा के दौरान वहां के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू का जैसा दोस्ताना रवैया देखने को मिला, जिस तरह से उन्होंने भारत के साथ आगे बढ़ने की मंशा जाहिर की, यह उन्हें अपनी गलती का अहसास कराने का ही द्योतक कहा जा सकता है। देर आये दुरस्त आये वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए भारत-मालदीव के रिश्तों को भावनात्मक राजनीति के तकाजों पर कूटनीति की ठोस हकीकतों की जीत के रूप में देखा जा सकता है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपने पूर्व कार्यकाल में पडोसी देशों की यात्रा करते हुए उनसे भारत के संबंधों को सौहार्दपूर्ण एवं विकासमूलक बनाने के प्रयास किये। इसी के तहत मोदी की तत्कालीन मालदीव दौरे का मुख्य उद्देश्य नेबरहुड फर्स्ट पॉलिसी के तहत सुरक्षा, विकास की दृष्टि के भारत के संबंधों को और मजबूत करना था। दौरे के दौरान मोदी को मालदीव के सर्वोच्च सम्मान 'निशान इजुद्दीन' से भी सम्मानित किया गया। दरअसल मालदीव की दक्षिण एशिया और हिन्द महासागर में जो स्ट्रेटजिक (सामरिक) लोकेशन है, वह भारत के लिए बेहद अहम है। मालदीव में पिछले कुछ सालों में चीन ने अपना प्रभुत्व बढ़ाया है, उसे हिंद महासागर क्षेत्र में सामरिक और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर उल्लेखनीय सफलता भी मिली। लेकिन यह सब करने के पीछे चीन का मुख्य लक्ष्य मालदीव की भारत से दूरी बढ़ाना भी रहा, जिसमें उसे बड़ी सफलता मिली। इस प्रकरण की शुरुआत पिछले साल हुए राष्ट्रपति चुनाव में एक प्रत्याशी के तौर पर मुइज्जू ने भारत विरोधी भावनाओं पर दांव लगाया था। वह बार-बार सार्वजनिक तौर पर यह संकल्प करते देखे गए कि सत्ता में पहुंचते ही भारतीय सैनिकों को मालदीव से विदा कर देंगे। हालांकि सबको पता था कि भारतीय सैनिकों की वहां मौजूदगी सांकेतिक ही थी। भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराने प्रेम एवं सौहार्द के रिश्ते एकाएक तल्ख होते दिखाई देने लगा। मालदीव की तरफ से लगातार तनाव बढ़ाने वाले बयान आते रहे, लेकिन भारत की तरफ से फिर भी संतुलित नीति अपनाई जाती रही है। इसी दौरान मोदी की लक्षद्वीप यात्रा की, जिसका उद्देश्य कत्तई किसी भी देश के पर्यटन को नुकसान पहुंचाना नहीं था, बल्कि अपने देश में पर्यटन की नई संभावनाओं को तलाशना है।

प्रधानमंत्री मोदी पर आपत्तिजनक टिप्पणियों के बाद सोशल मीडिया पर बॉयकाट मालदीव ट्रेंड होने लगा। इस हैशटैग के साथ लोगों के ऐसे पोस्ट की बाढ़ आ गई, जिसमें वे मालदीप और लक्षद्वीप की तुलना करते हुए लक्षद्वीप को बेहतर बता रहे है। मुइज्जू के भारत विरोध उनके अनेक मंत्रियों की तल्ख टिप्पणियों एवं रवैये के कारण वहां की अर्थ-व्यवस्था गिरने लगी, विशेषतः पर्यटन उद्योग को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा। मालदीव की नई सरकार के रुख को देखते हुए भारत ने भी वेट एंड वॉच की पॉलिसी अख्तियार कर ली। नतीजा यह हुआ कि भारत से छुट्टियां बिताने मालदीव जाने वाले टूरिस्टों की संख्या कम होने लगी। इस साल के शुरुआती चार महीनों की अवधि में वहां भारतीय टूरिस्टों की संख्या में 42 प्रतिशत घट गयी। ध्यान रहे, मालदीव की जीडीपी में टूरिज्म का योगदान 30 प्रतिशत है। इतना ही नहीं, भारत के सहयोग से चलने वाले इन्फ्रा प्रॉजेक्ट्स और हेल्थ, एजुकेशन और कृषि क्षेत्रों से जुड़े कई प्रॉजेक्ट्स का भविष्य भी अधर में लटका दिखाई देने लगा। मुइज्जू सरकार इनकी अनदेखी नहीं कर सकती थी। किसी अन्य देश का सहयोग भी इसकी भरपाई नहीं कर सकता था। ऐसे में मुइज्जू सरकार ने पिछले कुछ समय से अपने रुख में बदलाव का संकेत देना शुरू कर दिया था। भारत ने भी इन संकेतों का सम्मान किया। नतीजा यह कि विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मालदीव की यात्रा की, जिसके कारण दो पड़ोसी देशों के पुराने रिश्ते फिर पटरी पर लौटते दिख रहे हैं।

मालदीव एक समय भारत का सहयोगी हुआ करता था। वहां की अर्थव्यवस्था चीन और भारत पर निर्भर है। हालांकि, मालदीव की भारत से नजदीकी हमेशा चीन को खटकती थी, जिस कारण उसने इस देश को अपने कर्ज के जाल में फंसाया। धीरे-धीरे इस देश की माली हालत बुरी होने लगी, जिसके बाद यहां चीन समर्थक और इंडिया आउट का नारा देने वाले मोहम्मद मुइज्जू की सरकार बनी। पाकिस्तान एवं चीन के दबाव में उनके नए राष्ट्रपति के सुर बदले। वहां भारत-विरोधी स्वर उग्रतम बने। मुइज्जू ने राष्ट्रपति बनने के बाद सबसे पहले चीन का ही दौरा किया था और इसके बाद उन्होंने कई भारत विरोधी फैसले किए, लेकिन इन स्थितियों के कारण हुए भारी नुकसान का झेलते हुए मालदीव चीन के मनसूबों का भाप गया। भारत का पड़ोसी देश मालदीव हिंद महासागर पर बसा है और इस कारण यह सुरक्षा की दृष्टि से भी अहम है। यहां की नई सरकार चीन के करीब दिख रही है और चीन अपने मनसूंबो को पूरा करने के लिये गलत रास्तों पर ढकेल रहा है। मालदीव के नए राष्ट्रपति ने तो अपने चुनाव प्रचार में ही 'इंडिया आउट' का नारा दिया था। भारत एवं मालदीव के बीच तल्खी अगर बढ़ती तो हिंद महासागर रीजन की सिक्योरिटी भारत के लिए परेशानी का सबब बन सकती है।

चीन हमारे रिश्तों की तल्खी का फायदा उठाने की लगातार कोशिश कर रहा है। जिसका भारत ने खयाल रखा। इसलिए भारत सरकार की तरफ से संतुलित नीति पर बल दिया जाता रहा है, जबकि मालदीव की तरफ से तो लगातार काफी कुछ गलत कहा जाता रहा है। लेकिन मालदीव को भी यह समझ आ गया कि भारत से दूरी उसके लिये नुकसानदायी है। चीन की तुलना में भारत से मालदीव के हित ज्यादा गहराई से जुड़े हैं। फिर भी मुइज्जू भारत के साथ रिश्तों में आ रही संभावित दूरी की भरपाई चीन से करीबी रिश्तों के रूप में करना चाहते हैं। हालांकि एक्सपर्ट्स तब भी इस बात की ओर ध्यान खींच रहे थे कि भू-राजनीति की वास्तविकताओं के मद्देनजर यह संभव नहीं है कि मालदीव में जो भूमिका भारत निभा सकता है, वह चीन निभाने लगे। फिर भी चीन की शह पर भारत को आंख दिखाने की कोशिश होती रही है। राष्ट्रपति पद ग्रहण करने के बाद मुइज्जू के बयानों में हलकी सी नरमी जरूर दिखी, लेकिन नीतियों की दिशा बदलने का प्रयास फिर भी जारी रहा।

लेकिन इससे हो रहे नुकसान को लेकर मुइज्जू सरकार सतर्क हो गयी। पर्यटन ही मालदीव की आय का सबसे बड़ा स्रोत है। भारत से करीब दो लाख से ज्यादा लोग हर साल मालदीव की यात्रा करते हैं। मालदीव में मौजूद भारतीय हाई कमिशन के आंकड़ों को मानें तो साल 2022 में 2 लाख 41 हजार और 2023 में करीब 2 लाख लोगों ने मालदीव की यात्रा की है। ऐसे में भारत-मालदीव के बीच बढ़ रही दूरी का असर मालदीव के टूरिज्म एवं आर्थिक व्यवस्था पर पड़ना स्वाभाविक था।

भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के प्रति अच्छा रहा हैं लेकिन चीन पोषित भारत विरोध की ऐसी अकारण नफरत भारत क्यों बर्दाश्त करें? निश्चित ही मालदीव के रवैये का दोनों देशों के बीच की सदियों पुरानी दोस्ती पर नकारात्मक प्रभाव पडा। भारतीय यदि मालदीव का बहिष्कार करने लगा तो वहां अर्थव्यवस्था चरमरा जायेगी, यह बात समझने में मालदीव को देर नहीं लगी। अपनी भूल को सुधारते हुए उसने भारत की ओर दोस्ती का हाथ बढ़ाया है जो दोनों देशों के हित में है। भारतीय उपमहाद्वीप के देशों के केनवास पर शांति, प्रेम, विकास और सह-अस्तित्व के रंग भरने में भारत सक्षम है, पडोसी देशों में भारत ही मजबूत स्थिति में है, आर्थिक एवं सामरिक दोनों ही दृष्टि से भारत अपने पडोसी देशों में सशक्त एवं ताकतवर है, उसे मनोबल के साथ पडोसी देशों में स्थिरता, शांति, लोकतंत्र एवं

शब्द पहेली - 8098

बाएँ से दाएँ

1. प्रार्थना, खुशामद-4
4. श्मशान, शवदाहगृह-4
6. भ्रमर, चक्र-3
8. कामदेव, सुंदर-3
9. चांदी-3
11. सितारा-2
13. राजकुमार, मनोज कुमार, वहीदा रहमान की फिल्म-5
15. हालात, तबियत-2
16. फिजूल, व्यर्थ-3
18. डिपो-3
19. गमन, विदा-3
20. झगड़ा, अनबन-4
22. लुंगी-4

ऊपर से नीचे

1. आलता, माहुर-4
2. घाटा, नुकसान-2
3. कमल, जलज-3
4. अभिष्ट इच्छा, चाह-5
5. टक्कर, मुठभेड़-4
7. रात्रि, निशा-3
10. जरुरतमंद-5
12. हाथी साधने वाला-4
14. तरंग, हिलोर-3
17. कसरत, परेड-4
18. विश्राम, राहत-3
21. मार्ग, पथ-2

शब्द पहेली -8097 का हल

त	फ	री	ह	■	क	ल	र	व
क	■	छ	ल	क	प	ट	■	र
ग	ख	■	■	म	■	■	बं	दा
र	त	■	प	ल	क	■	दा	न
■	र	स	ना	■	मा	ख	न	■
त	ना	■	ह	म	ल	■	वा	स
ल	क	■	■	ग	■	■	ज	ल
घ	■	म	न	र	ख	ना	■	वा
र	म	जा	न	■	त	क	दी	र

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

ईशान को बुची बाबू क्रिकेट टूर्नामेंट के लिए झारखंड टीम का कप्तान बनाया गया

रांची (ईएमएस)। लंबे समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल रहे भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन को झारखंड टीम का कप्तान बनाया गया है। ईशान आगामी बुची बाबू क्रिकेट टूर्नामेंट से मैदान में वापसी करेंगे। ईशान बुधवार को चेन्नई में टीम के साथ जुड़ जाएंगे।

किशन की रणजी ट्रॉफी में भी वापसी होने की संभावनाएं हैं। इसका कारण है कि उन्होंने चयनकर्ताओं को बता दिया है कि वह खेलने के लिए उपलब्ध हैं। उनका अंतिम घरेलू प्रथम श्रेणी मैच दिसंबर 2022 में था। वह 2023-24 के घरेलू सत्र के अंत में रणजी ट्रॉफी से दूर रहे और यह उनके लिए नुकसानदेह साबित हुआ। इस कारण उन्हें सालाना अनुबंध भी नहीं मिला। वहीं एक अधिकारी ने कहा, ईशान को बाहर रखना उसकी क्षमता पर संदेह हो लेकर नहीं था। यह केवल इस बारे में था कि क्या वह वापसी के लिए तैयार है। फैसला उसको करना था। जब उसे प्रारंभिक सूची में शामिल नहीं किया गया था, तो यह केवल इसलिए था क्योंकि हमें पता नहीं था कि वह खेलना चाहता है या नहीं। जब उसने वापसी की इच्छा जतायी उसे शामिल कर लिया गया।

बुची बाबू टूर्नामेंट पिछले साल छह साल के बाद फिर शुरू किया किया गया। इसमें रणजी ट्रॉफी के लीग चरणों में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया के समान चार दिवसीय रेड-बॉल प्रारूप में आयोजित किया जाएगा।

नीदरलैंड ने स्वर्ण जीतने के मामले में जर्मनी, ब्रिटेन और इटली को भी पीछे छोड़ा

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक में केवल एक करोड़ 77 लाख आबादी वाले देश नीदरलैंड का प्रदर्शन शानदार रहा है। नीदरलैंड ने 15 स्वर्ण के साथ ही कुल 34 पदक जीतकर अंकतालिका में छठा स्थान हासिल किया। 40 स्वर्ण पदक के साथ एक बार फिर अमेरिका शीर्ष पर रहा। वहीं चीन के भी नाम 40 स्वर्ण थे पर अमेरिका के मुकाबले रजत कम होने से वह वह दूसरे स्थान पर रहा। ओलंपिक में नीदरलैंड के 273 खिलाड़ी उतरे थे। उन्होंने 15 स्वर्ण के अलावा 7 रजत और 12 कांस्य पदक हासिल किये। उसे नौकायन में सबसे ज्यादा 4 स्वर्ण मिले। साइकलिंग में 3 जबकि एथलेटिक्स, हॉकी और सेलिंग में नीदरलैंड को 2-2 स्वर्ण मिले। बास्केटबॉल और तैराकी में भी उनके एथलीटों ने स्वर्ण जीते।

वहीं पेरिस ओलंपिक में जर्मनी ने 428 खिलाड़ी जबकि ब्रिटेन ने 327 और इटली ने 402 एथलीट उतारे थे। इसके बाद भी नीदरलैंड स्वर्ण के मामले में इनसे आगे रहा। नीदरलैंड का ये ओलंपिक में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। 15 स्वर्ण भी देश ने इससे पहले ओलंपिक में कभी नहीं जीते थे। क्षेत्रफल के मामले में नीदरलैंड विश्व में 134वें नंबर पर आता है। आबादी के मामले में वह 68वें नंबर पर है। इसके बाद भी ओलंपिक में छठे नंबर पर रहा।

दलीप ट्रॉफी में राहुल और ऋषभ के भी खेलने की संभावना

मुम्बई ईएमएस)। अगले माह शुरु हो रहे घरेलू क्रिकेट टूर्नामेंट दलीप ट्रॉफी में शुभमन गिल, यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, सूर्यकुमार यादव और रजत पाटीदार के अलावा केएल राहुल और ऋषभ पंत के भी इसमें शामिल होने की संभावना है। दलीप ट्रॉफी में भारत ए, भारत बी, भारत सी और भारत डी जैसे 4 टीमें हिस्सा लेंगी। इस टूर्नामेंट से तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी भी वापसी कर सकते हैं। शमी गत वर्ष हुई सर्जरी के बाद से ही खेल से दूर हैं। वह अभी राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) बेंगलुरु में हैं और स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। पांच सितंबर को इस टूर्नामेंट के 2 मैच खेले जाएंगे, जिसमें एक मैच अनंतपुर से बेंगलुरु जा सकता है। कर्नाटका क्रिकेट एसोसिएशन ने अनौपचारिक रूप से इन मैचों को कराने के लिए स्वीकृति दे दी है।

इस बार पूर्व कोच राहुल द्रविड़, एनसीए प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण, मुख्य चयनकर्ता अजीत आगरकर और बीसीसीआई के महाप्रबंधक एबे कुरूविला की कमेटी की सलाह पर दलीप ट्रॉफी में कुछ बदलाव किये गये हैं। पांच सितंबर से शुरु हो रहे 4 टीमों के इस टूर्नामेंट में अब प्रत्येक टीम को राउंड रॉबिन के आधार पर तीन मैच खेलने होंगे। इसमें प्राप्त अंकों के आधार पर ही शीर्ष टीम को विजेता घोषित किया जाएगा।

ओलंपिक में पहली बार भारत ने किसी एक खेल में तीन पदक जीते

पेरिस (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक 2024 में इस बार भारतीय निशानेबाजों का प्रदर्शन अच्छा रहा। इसमें भारत को तीन पदक मिले। वहीं एक पदक भाला फेंक और एक कुश्ती में मिला। निशानेबाजी में मनु भाकर ने दो पदक जीते। ऐसा कर वह एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बन गई। मनु ने 10 मीटर एयर पिस्टल स्पर्धा में कांस्य पदक जीता। इसके बाद सरबजोत के साथ मिलकर 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम में कांस्य जीता। वह 10 मीटर एयर पिस्टल के फाइनल में भी पहुंचीं पर पदक नहीं जीत पायीं। भारत को पहले तीन पदक निशानेबाजी से ही मिले। मनु के साथ स्वप्निल कुसाले ने पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में कांस्य पदक जीता। भारत ने इससे पहले कभी भी खेलों के किसी भी संस्करण में एक खेल में तीन पदक नहीं जीते थे। लंदन 2012 ओलंपिक में निशानेबाजी में 2 पदक आए थे। भारत ने पहली बार 50 मीटर राइफल 3 पोजीशन में भी पदक जीता।

भारत ने निशानेबाजी के अलावा एथलेटिक्स , तीरंदाजी, एथलेटिक्स, बैडमिंटन, मुक्केबाजी, घुड़सवारी, गोल्फ, हॉकी, जूडो, रोइंग, नौकायन, तैराकी, कुश्ती, टेबल टेनिस और टेनिस सहित 16 खेलों में भाग लिया। एथलेटिक्स में भारत ने सबसे अधिक 29 सदस्यीय टीम को भेजा था।

वहीं भाला फेंक में भारत के नीरज चोपड़ा इस बार वह 89.45 मीटर की थ्रो के साथ रजत पदक ही जीत पाये। नीरज एथलेटिक्स में भारत के लिए दो पदक जीतने वाले एकमात्र खिलाड़ीहैं। वह भारत के ओवरऑल 5वें एथलीट हैं जिन्होंने दो ओलंपिक पदक जीते हैं। इससे पहले नॉर्मन प्रिचर्ड, सुशील कुमार, पीवी सिंधु और मनु भाकर ने ये उपलब्धि हासिल की थी।

भारत ने 52 साल बाद हॉकी में लगातार दूसरी बार कांस्य पदक जीता। भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एक गोल से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए स्पेन को 2-1 से हराया और पेरिस 2024 ओलंपिक में कांस्य पदक जीता। टोक्यो में हॉकी में कांस्य पदक विजेता भारत ने म्यूनिख 1972 के बाद 52 वर्षों में पहली बार हॉकी में लगातार ओलंपिक पदक जीते। भारत अब हॉकी में 13 पदक हासिल कर चुका है।

ओलंपिक में तीरंदाजी में भारत का सर्वश्रेष्ठ परिणाम धीरज बोम्मदेवरा और अंकिता भक्त ने मिश्रित टीम स्पर्धा में चौथे स्थान पर रहकर दिलाया।लक्ष्य सेन ने ओलंपिक बैडमिंटन में भारतीय पुरुषों के लिए नई राह बनाई। लक्ष्य सेन ओलंपिक में पुरुष बैडमिंटन स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय शटलर बने।

पेरिस ओलंपिक में सबसे अधिक जोड़े बने, कई खिलाड़ियों ने शादी के लिए प्रपोज किया

पेरिल (ईएमएस)। पेरिस ओलंपिक में इस बार पदक के साथ ही कई खिलाड़ी अपना प्यार भी हासिल कर पाये। पेरिस वैसे भी सिटी ऑफ लव के नाम से जानी जाती है। इन खेलों में तकरीबन एक दर्जन खिलाड़ियों ने शादी के लिए प्रपोज किया। इससे पहले किसी एक ओलंपिक में इतने खिलाड़ियों ने कभी शादी के लिए प्रस्ताव नहीं दिये थे।

पेरिस ओलंपिक आयोजन समिति के अध्यक्ष टोनी एस्टांगुएट ने समापन समारोह में कहा, पेरिस 2024 ने कई रिकॉर्ड तोड़े। यहां रिकॉर्ड दर्शक, रिकॉर्ड अटेंडेंस, रिकॉर्ड डेसिबल लेवल दिखा। इसके साथ ही हमने एक नया रिकॉर्ड तोड़ा है जो हमारे दिल के बहुत करीब है। इन ओलंपिक खेलों में अब तक के सबसे ज्यादा शादी के प्रस्ताव भी देखे गये। उम्मीद , प्रेरणा और प्यार की ये भावनाएं हमेशा ऐसे ही बनी रहेंगी। अमेरिकी महिला रग्बी सेवन्स खिलाड़ी एलेव केल्टर ने कांस्य पदक जीतने के बाद अपनी साथी रग्बी खिलाड़ी कैथरीन ट्रेडर को शादी का प्रस्ताव दिया। इटली की जिमनास्ट एलेसिया मौरेली को उनके साथी मैसिमो बर्टेलोनी ने पदक जीतने के बाद शादी का प्रस्ताव दिया। वहीं अमेरिका के जस्टिन बेस्ट ने नौकायन में स्वर्ण जीतने के बाद अपनी प्रेमिका लैनी डंकन को प्रपोज किया। इसके अलावा अमेरिकी शॉटपुट खिलाड़ी पैटन ओटरडाहल ने भी मैडी नील्स को शादी का प्रस्ताव दिया। चीनी बैडमिंटन स्टार हुआंग याकिओंग को स्वर्ण पदक जीतने के बाद एक और खुशी तब मिली जब उन्हें ब्वॉयफ्रेंड और बैडिंटन खिलाड़ी लियू युचेन ने शादी का प्रस्ताव दिश। युचेन ने जैसे ही सगाई की अंगूठी कियोंग की ओर बढ़ाई तो उनकी खुशी दोगुनी हो गयी। वहीं फ्रांस की धाविका एलिस फिनोट ने महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज फाइनल में यूरोपीय रिकॉर्ड

कमजोर पड़ा शेयर बाजार, सेंसेक्स 692 अंक टूटकर बंद हुआ, निफ्टी 24150 से फिसला

मुंबई(ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन गिरावट के साथ बंद हुए। मंगलवार को सेंसक्स 692.89 (0.86 प्रतिशत) अंकों की गिरावट के साथ 78,956.03 पर बंद हुआ। दूसरी ओर, निफ्टी 208.00 (0.85 प्रतिशत) अंक फिसलकर 24,139.00 अंकों पर बंद हुआ। मंगलवार के कारोबारी सत्र के दौरान एचडीएफसी बैंक के शेयरों में 3 प्रतिशत जबकि एसबीआई और टाटा स्टील के शेयरों में दो-दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। इस कारण निवेशकों को करीब 4.45 लाख करोड़ रुपए की चपत लगी है। सेंसेक्स के शेयरों में एचडीएफसी बैंक ने अकेले ही बाजार में 378 अंकों की गिरावट का योगदान दिया। एसबीआई, आईटीसी, टाटा मोटर्स और बजाज फाइनेंस के शेयर भी लाल निशान पर बंद हुए। इस बीच, बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन 4.45 लाख करोड़ घटकर 445.37 लाख करोड़ रुपये रह गया।

एचडीएफसी बैंक में 3.4 प्रतिशत की गिरावट

भारत के शीर्ष निजी ऋणदाता और निफ्टी 50 में सबसे अधिक हिस्सेदारी वाले स्टॉक एचडीएफसी बैंक में मंगलवार को 3.4 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। वैश्विक सूचकांक प्रदाता एमएससीआई ने विदेशी निवेशकों के लिए खरीद के लिए उपलब्ध एचडीएफसी बैंक के शेयरों का अनुपात बढ़ाया है, लेकिन साथ हमें यह कहा भी कहा है कि ये बदलाव अगस्त और नवंबर में दो चरणों में लागू होंगे। इसके बाद बैंक के शेयरों में बिकवाली दिखी। एचडीएफसी बैंक में कमजोरी से निफ्टी फाइनेंशियल और निफ्टी बैंक भी क्रमश. 1.9 प्रतिशत और 1.5 प्रतिशत तक टूट गए।

निफ्टी ऑटो, एफएमसीजी, मीडिया, मेटल, रियल्टी और ऑयल एंड गैस भी 1 प्रतिशत तक गिरकर बंद हुए। इसी हफ्ते जुलाई के लिए अमेरिकी उत्पादक मूल्य से जुड़े आंकड़े जारी होने हैं। जुलाई के लिए अमेरिकी उपभोक्ता मूल्य सूचकांक से जुड़े आंकड़े भी बुधवार को आने हैं। बाजार में निवेशकों की नजर इन आंकड़ों पर टिकी हुई है। यही आंकड़े आने वाले समय में बाजार में निवेशकों का रुझान तय करेंगे।

भारतीय टीम विश्व हॉकी रैंकिंग में पांचवें स्थान पहुंची, नीदरलैंड पहले स्थान पर पहुंची

लुसाने (ईएमएस)। भारतीय हॉकी विश्व रैंकिंग में पांचवे नंबर पर पहुंच गयी है। भारतीय टीम को पेरिस ओलंपिक में लगातार दूसरी बार कांस्य पदक मिलने से रैंकिंग में लाभ हुआ है। पेरिस ओलंपिक के बाद जारी नई विश्व रैंकिंग में भारतीय पुरुष हॉकी टीम को दो स्थान का लाभ हुआ है जबकि पहले वह सातवें स्थान पर थी। वहीं एफआईएच प्रो लीग के समाप्त होन के बाद भारत को सातवां स्थान मिला था क्योंकि उसका अभियान अच्छा नहीं रहा था। भारत ने पेरिस ओलंपिक के दौरान शानदार प्रदर्शन किया और उसे केवल 2 मैच में ही हार का सामना करना पड़ा जबकि उसने 5 मैच जीते। इससे उसे 2848.67 अंक मिले और वह ऑस्ट्रेलिया से ऊपर 5वें स्थान पर पहुंच गया।

पुरुषों की विश्व रैंकिंग में ओलंपिक चैंपियन नीदरलैंड 3168 अंक के साथ ही रैंकिंग में पहले नंबर पर है। वहीं जर्मनी ने 3035 अंक लेकर अच्छा प्रदर्शन किया और वह दूसरे स्थान पर पहुंच गयी है। वहीं इंग्लैंड 2973, बेल्जियम 2959 और भारत 2849 अंक लेकर शीर्ष 5 स्थानों पर हैं। जर्मनी के दूसरे नंबर पर पहुंचने से इंग्लैंड भी अपनी ओलंपिक-पूर्व रैंकिंग से एक स्थान नीचे गिरकर तीसरे स्थान पर आ गया है, जबकि भारत ओलंपिक में लगातार दूसरे कांस्य पदक के बाद अंतर को पाटते हुए दो स्थान ऊपर चढ़कर शीर्ष-5 में पहुंच गया है।

ऑस्ट्रेलिया 2714, अर्जेंटीना 2643 और स्पेन 2470 अंक लेकर छठे, सातवें और आठवें स्थान पर हैं। वहीं ऑस्ट्रेलियाई टीम को इस बार खास नुकसान हुआ। ऑस्ट्रेलिया ओलंपिक की शुरुआत में विश्व की चौथे नंबर की टीम थी पर समापन के समय तक वह फिसलकर छठे स्थान पर आ गयी।

2036 में भारत की आबादी 152 करोड़ होगी

सेक्स रेशो बढक़र 952 हो जाएगा, अनुमान- 15 से कम उम्र वालों की संख्या में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। भारत की जनसंख्या साल 2036 में 152.2 करोड़ तक हो सकती है। इसको लेकर सांख्यिकी एवं कार्यक्रम मंत्रालय ने एक रिपोर्ट जारी की है। इसमें बताया गया है कि सेक्स रेशो 2036 तक प्रति 1000 पुरुषों पर 952 महिलाओं तक पहुंचने की उम्मीद है। 2011 की जनगणना में यह आंकड़ा 943 था। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि जनसंख्या में महिलाओं के प्रतिशत में भी थोड़ा-बहुत सुधार देखने को मिल सकता है। साल 2036 में महिलाओं का प्रतिशत बढक़र 48.8 प्रतिशत होने की उम्मीद है। 2011 में यह 48.5 प्रतिशत था।

फर्टिलिटी रेट में गिरावट के चलते 15 साल से कम उम्र के लोगों का रेशो साल 2011 के मुकाबले साल 2036 में घटने का अनुमान है। इस दौरान 60 साल और उससे ज्यादा उम्र की जनसंख्या का रेशो में काफी तेजी से बढ़ेगा।

भारत की जनसंख्या 77 साल में दोगुनी हुई

यूनाइटेड नेशन्स की हेल्थ एजेंसी यूनाइटेड नेशन्स पॉपुलेशन फंड ने अप्रैल 2024 में एक रिपोर्ट में दावा किया कि भारत की जनसंख्या पिछले 77 सालों में दोगुनी हो चुकी है। यह 144.17 करोड़ पहुंच चुकी है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में 2006-2023 के बीच 23त्न बाल विवाह हुए हैं। साथ ही डिलीवरी के समय होने वाली महिलाओं की मौतों की संख्या में कमी आई है। भारत ने इस साल के शुरुआत में सबसे ज्यादा 142.5 करोड़ आबादी वाले देश चीन को पीछे छोड़ा था। 2011 की जनगणना के मुताबिक, देश की कुल आबादी 121 करोड़ दर्ज की गई थी। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की कुल आबादी का 24 प्रतिशत हिस्सा 0-14 साल के लोगों का है। 15-64 साल की संख्या सबसे ज्यादा 64 प्रतिशत है।

दुनिया की आबादी 8 अरब के पार

1 जनवरी 2024 से दुनिया की आबादी 8 अरब को पार कर गई। 1 जनवरी 2023 ये आंकड़ा 7.94 अरब था। अमेरिका के सेंसस ब्यूरो ने एक रिपोर्ट में ये दावा किया। इसके मुताबिक, पिछले 2023 में दुनिया की जनसंख्या में करीब 7.5 करोड़ का इजाफा हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में हर सेकेंड 4.3 लोग जन्म लेते हैं, जबकि 1 सेकेंड में 2 लोगों की मौत होती है।

वोटिंग में महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

रिपोर्ट के मुताबिक, 15वें आम चुनाव (1विनोद उपाध्याय / 13 अगस्त, 2024) तक 60 प्रतिशत से भी कम महिला मतदाताओं ने हिस्सा लिया। वहीं, उस समय पुरुषों का मतदान प्रतिशत महिलाओं से 8 प्रतिशत प्रतिशत ज्यादा था। हालांकि, इसके 15 साल बाद 2014 में वोटिंग में महिलाओं की भागीदारी बढक़र 65.6 प्रतिशत हो गई। 2019 में यह आंकड़ा बढक़र 67.2 प्रतिशत हो गया।

स्टार्ट-अप में भी पुरुषों के बराबर महिलाएं

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग ने जनवरी 2016 में अपनी स्थापना के बाद से दिसंबर 2023 तक कुल 1 लाख 17 हजार 254 स्टार्ट-अप को मान्यता दी। इनमें से 55,816 स्टार्ट-अप महिलाओं द्वारा चलाए जा रहे हैं। यह कुल मान्यता प्राप्त स्टार्ट-अप का 47.6 प्रतिशत है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि स्टार्ट-अप में महिलाओं की भागीदारी पुरुषों के बराबर है।

अमेरिकी दांव में फंसा ईरान, इजरायल पर हमला करने से पहले सोचना पड़ेगा

वाशिंगटन(ईएमएस)।अमेरिका ने अपने 'दोस्त' यानी इजरायल को बचाने के लिए बड़ा दांव चल दिया है। अमेरिका ने पहले तो एफ-35सी लड़ाकू विमानों से लैस युद्धपोत ईरान के करीब भूमध्य सागर की तरफ रवाना किया था और अब उसने एक मिसाइल सबमरीन भी वहां तैनात किया है। यह सबमरीन 154 टॉमाहॉक मिसाइलों से लैस है, जो जमीन पर किसी टार्गेट पर बिल्कुल सटीक लगा सकता है। दरअसल हिजबुल्लाह और ईरान ने इजरायल से बदला लेने की कसम खाई तो उधर अमेरिका अपने दोस्त की मदद के लिए उठ खड़ा हुआ। दरअसल इजरायली रक्षा मंत्री योव गैलेंट ने रविवार को अमेरिकी रक्षा मंत्री ऑस्टिन को बताया था कि ईरान इजरायल पर बड़े सैन्य हमले की तैयारी कर रहा है। इसके तुरंत बाद पेंटागन हरकत में आया और कहा कि मीडिल ईस्ट में और अधिक सैनिक और सैन्य साजो-सामान भेज रहा है।

अमेरिकी रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने साफ कहा कि अमेरिका अपने सहयोगी की रक्षा के लिए 'हर संभव कदम उठाएगा'। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि विमानवाहक पोत जो पहले से ही उस क्षेत्र में जा रहा था, अब और तेजी से वहां पहुंचेगा। इजरायल की हिफाजत में अमेरिका की इस मुस्तैदी से कई विषेशज्ञ यह मान रहे हैं कि ईरान अब सीधा अटैक नहीं करेगा, बल्कि हिजुबल्लाह के जरिये अटैक करवा सकता है। इजरायल से सटे लेबनान में जमे इस बेहद ताकतवर मिलिशिया को ईरान लगातार ही मदद देता रहा है और उसने भी अपने कमांडर फुआद और हमास लीडर हनिया की मौत का बदला लेने की कसम खाई थी।

उधर हमास प्रमुख यह्या सिनवार अब इजरायल से साथ जंग रोकना चाहते हैं। सिनवार ने युद्धविराम की इच्छा जताई, हालांकि इसके साथ ही मध्यस्थों से कहा है कि बातचीत को और आगे खींचने के बजाय पहले मंजूर किए गए प्रस्तावों को लागू करने का प्लान पेश करें। मिस्त्र, कतर और अमेरिका के नेताओं ने 8 अगस्त को इजरायल और हमास से आग्रह किया था कि वे युद्धविराम समझौते को अंतिम रूप देने और वार्ता फिर से शुरू करने में और समय बर्बाद न करें। हालांकि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू क्या चाहते हैं, यह अभी भी साफ नहीं है। इजरायल के दो सूत्रों ने बताया कि नेतन्याहू के सहयोगियों ने पत्रकारों और सरकार के अन्य अधिकारियों से कहा है कि इजरायली प्रधानमंत्री समझौता करने को तैयार हैं।

सुखोई-30 एमकेआई से हुआ सफल परीक्षण

नई दिल्ली भारत ने भारतीय वायु सेना के सुखोई-30 एमके-आई लड़ाकू विमान से लंबी दूरी के ग्लाइड बम (एलआरजीबी) 'गौरव' का सफल पहला उड़ान परीक्षण किया है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने भारतीय वायु सेना (आईएएफ) के सुखोई-30 एमके-आई प्लेटफॉर्म से लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम (एलआरजीबी), गौरव का पहला सफल उड़ान परीक्षण किया है। बता दें कि यह परीक्षण ओडिशा के तट पर किया गया है।

लॉन्ग रेंज ग्लाइड बम गौरव एक 1,000 किलोग्राम वजनी ग्लाइड बम है, जो हवा से प्रक्षेपित किया जा सकता है। यह लंबी दूरी पर स्थित लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है। ये बम प्रक्षेपित किए जाने के बाद, ग्लाइड बम आईएनएस और जीपीएस डेटा के संयोजन के साथ अत्यधिक सटीक हाइब्रिड नेविगेशन योजना का उपयोग करके लक्ष्य की ओर बढ़ता है।

गौरव को हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर इमारत (आरसीआई) की तरफ से स्वदेशी रूप से डिजाइन और विकसित किया गया है। वहीं अपने पहले उड़ान परीक्षण के दौरान, ग्लाइड बम ने लॉन्ग व्हीलर द्वीप पर स्थापित लक्ष्य को सटीकता के साथ भेद दिया। इस परीक्षण प्रक्षेपण के दौरान संपूर्ण उड़ान डेटा को तटरेखा के साथ एकीकृत परीक्षण रेंज की तरफ से तैनात टेलीमेट्री और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम की तरफ से कैप्चर किया गया। वहीं इसके उड़ान की निगरानी रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के वरिष्ठ वैज्ञानिकों की तरफ से की गई।

रूस के 1000 वर्ग किमी इलाके पर यूक्रेन का कब्जा

28 गांव छीने, पुतिन ने यूक्रेनी सैनिकों को खदेड़ने का आदेश दिया

कीव(ईएमएस)। यूक्रेन ने रूस के 1,000 वर्ग किमी से ज्यादा इलाके पर कब्जा कर लिया है। एक सप्ताह पहले यूक्रेनी सैनिकों ने रूस के कुस्र्क इलाके पर हमला किया था। तब से यहां के करीब 28 गांवों पर कब्जा कर चुके हैं।

कुस्र्क में टैंकों और तोपखानों से लैस करीब एक हजार यूक्रेनी सैनिक 6 अगस्त को दाखिल हुए थे। इसके बाद रूस ने 8 अगस्त को ही यहां इमरजेंसी लगा दी थी।

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने इसे यूक्रेन की उकसाने वाली हरकत बताया है। उन्होंने अपने रक्षा अधिकारियों को यूक्रेनी सेना को रूसी इलाके से खदेड़ने का आदेश दिया है।

अमेरिका के 15 राज्यों में हिंदुओं के लिए बनेंगे श्मशान घाट

न्यूयॉर्क (ईएमएस)। अमेरिका के 15 राज्यों में हिंदुओं के लिए अलग से श्मशान घाट बनाने की सहमति बन चुकी है। कोयना न्यू जर्सी विधानसभा ने विधेयक 4216 के पक्ष में अनुमति जारी की हैइस विधेयक के पास हो जाने के बाद राज्य में स्वतंत्र शवदाह ग्रहों की अनुमति मिल जाएगी।

अभी अमेरिका में शवदाह ग्रह केवल कब्रिस्तान तक सीमित है। यह सभी कब्रिस्तान ईसाई समुदाय से जुड़े हुए हैं। हिंदुओं के लिए अभी जो श्मशान घाट हैं। उसमें हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार अंत्येष्टि नहीं हो पाती है।

न्यू जर्सी में सबसे ज्यादा हिंदू रहते हैं। डेमोक्रेटिक सरकार विधेयक पास करने जा रही है।जिसमें हर पार्टी का सहयोग है। अभी अमेरिका में लकड़ी से खुले में अग्नि संस्कार नहीं किया जा सकता है। अब पृथक व्यवस्था हो जाएगी। अमेरिका में अब अग्नि से भी दाह संस्कार किया जा सकेगा। हिंदू समुदाय को अब विभिन्न राज्यों में समुदाय ग्रह के लिए जमीन मिल गई है।जल्द ही श्मशान घाट 15 राज्यों में खुद हिंदुओं के होंगे।

मशहूर कारोबारी और प्लेबॉय रिचर्ड का निधन, 91 साल में की छठी शादी

- कुछ समय से थे बीमार, पत्नी सिमोन को सौंपा व्यापारिक साम्राज्य

विएना,(ईएमएस)। ऑस्ट्रिया के मशहूर व्यापारी 91 साल की उम्र में दुनिया छोड़ने वाले रिचर्ड लुगनर एक अरबपति होने के साथ-साथ प्लेबॉय भी थे। उन्होंने अपने जीवन में छह शादियां की थीं और किम कार्दशियन समेत कई मशहूर सेलेब्रिटी के साथ उनका नाम जुड़ा हुआ था। रिचर्ड ने छठी शादी करीब दो महीने पहले ही की थी। रिचर्ड को वियना के डोबलिंग स्थित उनके विला में मृत घोषित कर दिया गया। वह कुछ समय से बीमार चल रहे थे और कई बार उनको भर्ती भी कराया गया था।

1990 में वियना में अपना पहला मॉल लुगनर सिटी खोलने से पहले रिचर्ड लुगनर को कंस्ट्रक्शन बिजनेस के बड़े खिलाड़ी के रूप में जाना जाता था। इसके बाद वह मॉल की दुनिया के बादशाह बन गए। एक रिपोर्ट के मुताबिक लुगनर ने दो महीने, जून में उनसे 49 साल छोटी 42 साल की सिमोन रेलेंडर से शादी की थी। शादी के समय वह ठीक थे लेकिन इसके बाद उनको पीठ दर्द और थकान की शिकायत हो गई। तबीयत ज्यादा खराब होने पर मेडिकल इमरेंजसी सर्विस सोमवार को उनके विला पहुंची लेकिन डॉक्टर उनको बचा नहीं सके और रिचर्ड दुनिया को अलविदा कह गए।

रिचर्ड ने छह शादियां करने और एक रंगीन जिंदगी जीने के साथ-साथ हाई-प्रोफाइल सेलेब्रिटी के साथ डेट के लिए भी प्रसिद्ध थे। रिसर्च ने किम कार्दशियन और पेरिस हिल्टन को डेट किया। इसके लिए उन्होंने भारी रकम का भुगतान भी किया। पूर्व स्पाइस गर्ल गेरी हॉलिवेल और सुपरमॉडल ग्रेस जोन्स के साथ वार्षिक वियना ओपेरा बॉल में उन्होंने पार्टी करके भी ध्यान खींचा था।

रिसर्ड लुगनर ने पिछले सप्ताह साफ कर दिया था कि सिमोन उनके व्यापारिक साम्राज्य की एकमात्र बॉस होंगी। लुगनर ने अपने अंतिम संस्कार की व्यवस्था भी पहले ही कर ली थी। उन्होंने अपनी समाधि का पत्थर भी मंगवा कर रखा था। इसकी जानकारी देते हुए रिसर्च ने कहा था कि मैं सब कुछ व्यवस्थित करना चाहता हूं ताकि मेरे उत्तराधिकारियों को पता रहे कि क्या करना है। रिचर्ड लुगनर के चार बच्चे हैं। रिचर्ड ने राजनीति में भी एंट्री करने की कोशिश की थी लेकिन वह सफल नहीं हुए।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। सोने-चांदी के वायदा कारोबार की शुरुआत मंगलवार को भी नरमी के साथ हुई। दोनों के वायदा भाव मंगलवार को गिरावट के साथ खुले। सोमवार को भी दोनों के भाव गिरावट के साथ खुले थे लेकिन बाद में तेजी के साथ बंद हुए थे। सोने के वायदा भाव 70,650 रुपये के करीब, जबकि चांदी के वायदा भाव 81,200 रुपये के करीब कारोबार कर रहे थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव तेज शुरुआत के बाद सुस्त पड़ गए। सोने के वायदा भाव की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क अक्टूबर कॉन्ट्रेक्ट 108 रुपये की गिरावट के साथ 70,630 रुपये के भाव पर खुला। इस समय यह 74 रुपये की गिरावट के साथ 70,664 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत भी सुस्त रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क सितंबर कॉन्ट्रेक्ट 456 रुपये की गिरावट के साथ 81,168 रुपये पर खुला। इस समय यह 420 रुपये की गिरावट के साथ 81,204 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने व चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। हालांकि बाद में भाव सुस्त पड़ गए। कॉमेक्स पर सोना 2,512.60 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,504 डॉलर प्रति औंस था। इस समय यह 1.80 डॉलर की गिरावट के साथ 2,502.20 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.03 डॉलर के भाव पर खुले, पिछला बंद भाव 28 डॉलर था। इस समय यह 0.24 डॉलर की गिरावट के साथ 27.76 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

अब आरपार के मूड में रूस, कुर्स्क में गिराया तबाही मचाने वाला वैक्यूम बम!

मॉस्को (ईएमएस)। यूक्रेन की सेना ने दावा किया है कि उसने रुस के 350 किमी के भीतर कब्जा कर लिया है। यूक्रेन के इस दावे से तिलमिलाए रुस ने खतरनाक हथियारों का उपयोग शुरु कर दिया है।रूस यूक्रेनी सैनिकों को कुर्स्क में और अंदर तक घुसनेसेरोकनेकेलिए खतरनाक थर्मोबैरिक बम गिरा रहा है। वैक्यूम बम के नाम से जाना जाने वाला यह विनाशक ारी बम जिस इलाके में गिरता है, वहां घातक रसायन छोड़ता है। इससे लोगों की दम घुटकर या फेफड़ों में संक्रमण होकर जान चली जाती है। ये खतरनाक बम बड़ी संख्या में लोगों की जान ले सकता है।

यूक्रेनी सेना के बीते हफ्ते किए गए हमले के बाद वह रूसी क्षेत्र में 20 किलोमीटर तक घुसने में सफल रहे हैं। दावा किया जा रहा है कि यूक्रेनी सेना के हमले में सैकड़ों रूसी सैनिक मारे गए हैं और गिरफ्तार हुए हैं। इसके बाद रूस ने अपने क्षेत्र को वापस पाने और कीव को आगे पैर जमाने से रोकने के लिए आक्रामकता दिखाई है। रूस ने बड़ी तादाद में हथियार कुर्स्क के सुदजांस्की की रक्षा के लिए भेजे हैं, ये इलाका एक हफ्ते से यूक्रेनी हमलों के केंद्र में है। रूस ने अपने दक्षिणी कुर्स्क क्षेत्र में अतिरिक्त टैंक, तोपखाने और रॉकेट प्रणालियां भेजी हैं। रूस ने कुर्स्क क्षेत्र में स्थिति को देखते हुए शुक्रवार को आपातकाल घोषित कर दिया और अतिरिक्त सुरक्षा बलों को भेजा है। फरवरी 2022 में युद्ध शुरू होने के बाद से व्लादिमीर पुतिन और रूस के सामने यूक्रेन की ओर से पेश की गई यह सबसे बड़ी चुनौती मानी जा रही है। एक मीडिया रिपोर्ट में कुर्स्क में ये बम गिराए जाने का दावा किया गया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं है कि युद्धग्रस्त कुर्स्क क्षेत्र में ये बम कहां गिराए गए और इससे कितना नुकसान हुआ। जब तक नागरिकों को निशाना नहीं बनाया जा रहा है, तब तक वैक्यूम बमों का इस्तेमाल अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन नहीं है। थर्मोबैरिक (वैक्यूम) बमों का रूस पहले भी इस्तेमाल करता रहा है। रूस पर 2022 में यूक्रेनी तेल डिपो पर ये बम गिराने का आरोप लगा था। थर्मोबैरिक हथियार दूसरे द्वितीय विश्व युद्ध में नाजियों ने बनाए थे। हालांकि इनका पहली बार इस्तेमाल अमेरिका ने वियतनाम में किया था। ये बम जब कहीं गिराया जाता है तो इसके शुरुआती विस्फोट से बड़ी मात्रा में रासायनिक कण हवा में फैल जाते हैं और इसके विनाशकारी प्रभाव होते हैं। माना जा रहा है कि यूक्रेन से मिले बड़े झटके का जवाब देने के लिए रूस की ओर से ये बम चलाए गए हैं।

सीरिया में भूकंप, रिक्टर स्केल पर 5.5 मापी गई तीव्रता

दमिश्क (ईएमएस)। सोमवार की रात सीरिया के कई शहर भूकंप के तेज झटकों से हिल गए। भूकंप का केंद्र हामा शहर के पूर्व में 3.9 किलोमीटर की गहराई पर था। सीरिया के राष्ट्रीय भूकंप केंद्र के मुताबिक रात 11:56 बजे देश के कई शहरों में भूकंप के तेज झटके महसूस हुए। सबसे पहले देश के मध्य शहर हामा से 28 किमी पूर्व में 5.5 तीव्रता का भूकंप आया।

रिपोर्ट के मुताबिक पहले आए भूकंप का केंद्र हामा से 21 किलोमीटर पूर्व में स्थित था। भूकंप की वजह से हुए नुकसान की रिपोर्ट अभी तक जारी नहीं की है। सीरियाई राष्ट्रीय भूकंप केंद्र के प्रमुख राएद अहमद ने कहा कि ये भूकंप के झटके किसी बड़े भूकंप की बानगी हो सकते हैं, लोगों को सतर्क रहना चाहिए।

इस बीच, हामा और दमिश्क में रहने वाले स्थानीय लोग संभावित भूकंप के खतरे की वजह से घर से बाहर रह रहे हैं। बता दें, इससे पहले 2023 में उत्तरी और पश्चिमी सीरिया में 7.8 तीव्रता का शक्तिशाली भूकंप आया था। इस भूकंप की वजह से देश में काफी लोगों की मौत हुई थी।

एथनॉल की कीमतों में वृद्धि के प्रस्ताव पर विचार कर रही मोदी सरकार

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी सरकार नवंबर 2024 से शुरू होने वाले सत्र के लिए एथनॉल की कीमतों में वृद्धि के प्रस्ताव पर विचार कर रही है। साथ ही वह कच्चे माल के विविधीकरण पर भी जोर दे रही है, क्योंकि उसका लक्ष्य 2025-26 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत मिश्रण का लक्ष्य हासिल करना है।

पेट्रोलियम मंत्रालय के संयुक्त सचिव की अध्यक्षता वाली समिति ने प्रस्ताव पर चर्चा की है। सूत्रों ने बताया कि एथनॉल की कीमतों में संशोधन गन्ने के उचित तथा लाभकारी मूल्य के आधार पर किया जाएगा। केंद्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह ने पिछले सप्ताह जैव ईंधन निर्माण के लिए बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान करते हुए कहा था कि भारत 2030 की मूल समयसीमा से पहले ही 2025-26 तक 20 प्रतिशत एथनॉल मिश्रण लक्ष्य को पा लेगा। सरकार द्वारा तय की गई एथनॉल की कीमतें 2022-23 सत्र (नवंबर-अक्टूबर) से यथावत हैं। वर्तमान में गन्ने के रस से उत्पादित एथनॉल की कीमत 65.61 रुपये प्रति लीटर है, जबकि 'बी-हेवी' और 'सी-हेवी' गुड़ से उत्पादित एथनॉल की दरें क्रमशः 60.73 रुपये और 56.28 रुपये प्रति लीटर हैं।

सूत्रों ने बताया कि मोदी सरकार एथनॉल मिश्रण कार्यक्रम को अपनी हरित ऊर्जा प्रतिबद्धताओं को पूरा करने और चीनी मिलों की वित्तीय स्थिति में सुधार लाने के लिए महत्वपूर्ण कदम मानती है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में एथनॉल मिश्रण चालू सत्र में जुलाई तक 13.3 प्रतिशत तक पहुंच गया है, जो 2022-23 सत्र में 12.6 प्रतिशत था। देश की कुल एथनॉल उत्पादन क्षमता वर्तमान में 1,589 करोड़ लीटर है, पेट्रोलियम विपणन कंपनियों ने 2023-24 सीजन के दौरान मिश्रण के लिए 505 करोड़ लीटर एथनॉल खरीदा है। सूत्रों ने बताया कि समिति विशेष रूप से गन्ने से उत्पादित एथनॉल की कीमतों में संशोधन पर विचार कर रही है। चीनी उद्योग ने एथनॉल की कीमत में वृद्धि, चीनी के न्यूनतम विक्रय मूल्य में वृद्धि और चीनी निर्यात की अनुमति की मांग की है।

मंगल पर पानी की मौजूदगी के मिले संकेत, जीवन गुजारना भी होगा संभव

वॉशिंगटन(ईएमएस)। नासा के इनसाइट्स लैंडर के नए सेस्मिक नए आकड़े जारी किए हैं इसमें बताया गया है कि मंगल की सतह के नीचे गहराई में पानी का एक विशाल भंडार हो सकता है। अध्ययनों में वाटर चैनल्स और लहरों के प्रमाण मिले हैं। यह साबित करते हैं कि प्राचीन काल में मंगल ग्रह पर नदियां और झीलें मौजूद थीं। इसके बावजूद ग्रह तीन अरब साल से एक रेगिस्तान रहा है। वजह, अपना वायुमंडल खोने के बाद इसका सारा पानी सूरज की भेंट चढ़ गया। यह पानी मंगल ग्रह पर जिंदगी के लिए बेहद अहम हो सकता है। प्रोफेसर मंगा ने कहा कि धरती का अधिकांश पानी जमीन के नीचे है। हमेशा इस बात की संभावना है कि मंगल ग्रह पर भी ऐसा ही हो सकता है, जिसे धरती का जुड़वां कहा जाता है। पानी के बिना जिंदगी का अस्तित्व संभव नहीं है। ऐसे में यह खोज इस बात का इशारा करती है कि जमीन के अंदर रहने लायक वातावरण हो सकता है।

मंगल पर जलचक्र का अध्ययन करना इसकी जलवायु, बाहरी सतह और इसके अंदरूनी हिस्सों के विकास को समझने के लिहाज से बेहद महत्वपूर्ण है। नासा के इनसाइट ने दिसंबर 2022 में अपना मिशन पूरा कर लिया, लेकिन लैंडर चार साल तक मंगल की सतह पर भूकंपीय तरंगों को रिकॉर्ड करना जारी रखेगा। लैंडर ने लगभग 1,319 भूकंप दर्ज किए हैं। इसके बाद भूकंपीय तरंगों की गति को मापकर, वैज्ञानिकों ने यह पता लगाया है कि जमीन के अंदर किस तरह की चीजें होने की संभावना है। इससे संबंधित खोज नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित हुई है। इसी तरह की तकनीक धरती पर पानी, गैस या तेल की संभावना जांचने के लिए इस्तेमाल की जाती है। गौरतलब है कि पूर्व में हुई स्टडी में मंगल ग्रह के ध्रुवों पर जमे हुए पानी और इसके वातावरण में जल वाष्प की मौजूदगी के सबूत मिले हैं। लेकिन यह पहली बार है जब ग्रह पर तरल पानी पाया गया है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी बर्कले के प्रोफेसर माइकल मंगा के मुताबिक किसी ग्रह के विकास को आकार देने में पानी की भूमिका बेहद अहम है। उन्होंने कहा कि यह खोज एक बड़े सवाल का जवाब देती है कि मंगल ग्रह का सारा पानी कहां गया।

महासचिव एंटेनियो ने माना......संयुक्त राष्ट्र बदलते वक्त के साथ नहीं बदला

जेनेवा(ईएमएस)। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गैरबराबरी का मुद्दा उठाया है। उन्होंने कहा है कि संयुक्त राष्ट्र बदलते वक्त के साथ नहीं बदला। साथ ही उन्होंने यूएनएससी में अफ्रीका को स्थायी सदस्यता देने की भी वकालत की है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में हाल ही में हुई एक उच्च स्तरीय बहस के दौरान गुटेरेस ने कहा कि यूएनएससी बदलती दुनिया के साथ तालमेल बिठाने में विफल रही है। गौरतलब है कि भारत ने हमेशा से ही यूएनएससी में बदलाव और समान प्रतिनिधित्व की मांग की है।

अफ्रीका के लिए एक स्थायी सीट की वकालत कर गुटेरेस ने कहा, यह स्वीकार करने लायक बात नहीं है कि दुनिया के प्रमुख शांति और सुरक्षा संगठन में एक अरब से अधिक लोगों वाले महाद्वीप के लिए स्थायी सीट नहीं है। उन्होंने कहा कि मौजूदा व्यवस्था के तहत अफ्रीका के अंदर और वैश्विक स्तर पर शांति और सुरक्षा के मामले में अफ्रीका के आवाज नहीं सुनी गई है। मौजूदा व्यवस्था के तहत यूएनएससी में वर्तमान में 15 सदस्य हैं, जिसमें से वीटो पावर वाले पांच स्थायी सदस्य देश चीन, फ्रांस, रूस, संयुक्त राज्य अमेरिका और यूनाइटेड किंगडम शामिल हैं। अन्य दस सीटें अस्थायी हैं, जो क्षेत्रीय रूप से बांटी गई हैं। इसमें से तीन अफ्रीकी देशों के लिए निर्धारित की गई है।

वहीं संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने गुटेरस का बातों का समर्थन किया है।उन्होंने कहा, यह तथ्य कि सुरक्षा परिषद में अफ्रीका का स्पष्ट रूप से कम प्रतिनिधित्व है। यह बिल्कुल गलत है, क्योंकि यह समानता और समावेशन के सिद्धांतों का पालन नहीं करता है। फ्रांसिस ने कहा, इस संस्था में जल्द से जल्द सुधार की जरूरत है ताकि यह दुनिया को उस तरह से ना दिखाए जैसा कि यह लगभग 80 साल पहले थी।

डीजल के दाम कम करेगी मोदी सरकार.. एथनॉल का बड़ा रोल

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोदी सरकार ने डीजल की कीमतों में गिरावट लाने का पूरा प्लान तैयार कर लिया है। पेट्रोल में एथनॉल मिलाने की तैयारियों के बीच मोदी सरकार ने ऐलान किया है कि डीजल में भी 5 फीसदी एथनॉल मिलेगा। इस पर सभी संबंधित मंत्रियों और अधिकारियों की प्रधानमंत्री कार्यालय में मीटिंग भी हो चुकी है। मोदी सरकार ने कहा है कि इसका मकसद पर्यावरण को सुरक्षित बनाने के साथ तेल पर आयात की निर्भरता कम करना है। बता दें कि अगले दो साल में पेट्रोल में 20 फीसदी एथनॉल मिलाने की तैयारी है। दरअसल, डीजल में एथनॉल मिलाने की बात पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संसद में भी कही थी। केंद्रीय मंत्री पुरी ने कहा था कि अभी यह काम ट्रायल में है। इस तरह के ईंधन से कुछ परेशानी पैदा हो रही हैं। फ्यूल टैंक में कचरा जमने की शिकायत आ रही है। हमारी कोशिश जल्द ही इस समस्या को दूर करके इस दिशा में आगे बढ़ने की है। इससे आयात पर हमारी निर्भरता घटाने और विदेशी मुद्रा बचाने में मदद होगी।

बीते मई महीने में भारत ने बड़ी सफलता हासिल कर पेट्रोल में एथनॉल मिलाने का रेशियो 15 फीसदी के पार पहुंचा दिया। देश में एथनॉल का उत्पादन भी लगातार बढ़ रहा है और ऐसा लगता है कि अगले दो साल में 20 फीसदी एथनॉल मिलाने का लक्ष्य पूरा होगा। अब मोदी सरकार डीजल में एथनॉल मिलाने का काम भी जल्द शुरू करने वाली है। डीजल में एथनॉल मिलाने का ट्रायल हो चुका है। ऑटोमोटिव रिसर्च एसोसिएशन ऑफ इंडिया बीएस-3 और बीएस-6 बसों का ट्रायल एथनॉल डीजल के साथ किया था। इस ट्रायल के नतीजे चौंकाने वाले थे, क्योंकि 500 घंटे के ट्रायल में गाड़ी के इंजन को कोई भी नुकसान नहीं और सामान्य डीजल के मुकाबले इसकी खपत भी कम रही। इसका मतलब हुआ कि एथनॉल मिलाए जाने के बाद वाहनों का माइलेज भी बढ़ जाता है।

पेट्रोल में अभी तक 10 फीसदी का टार्गेट पूरे देश में पूरा किया जा चुका है। इसके लिए वाहनों के इंजन में कुछ बदलाव भी किए गए। केंद्र सरकार का कहना है कि पेट्रोल की तुलना में एथनॉल में एनर्जी कम होती है और 20 फीसदी एथनॉल मिलाए जाने के बाद वाहनों के माइलेज पर भी इसका असर पड़ेगा। कहा जा रहा है कि इससे वाहनों का माइलेज करीब 7 फीसदी घट जाएगा।

एफडी में मिलेगा ज्यादा ब्याज और बीमा की सुविधा

नई दिल्ली (ईएमएस)। बैंकों में बचत कम जमा हो रही है। केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक चिंतित है। रिजर्व बैंक ने बैंकों से आकर्षक फिक्स्ड डिपॉजिट स्कीम बनाने के लिए कहा है। बैंकों से ज्यादा ब्याज देने के लिए भी कहा है। साथ ही बैंक इस तरह की स्कीम बनाएं,ताकि लोग बैंकों में अपने फिक्स डिपाजिट कर सकें।

निजी क्षेत्र और राष्ट्रीयकृत बैंक जल्द ही फिक्स्ड डिपॉजिट पर कई तरह की योजनाओं को संचालित कर सकते हैं। इसमें बच्चों और बुजुर्गों के लिए, लघु और दीर्घ अवधि के लिए, अलग अलग ब्याज दरों की योजना बनाने के लिए कहा है। इसके साथ बीमा जैसी सुविधा देने पर भी विचार किया जा रहा है। फिक्स्ड डिपॉजिट पर ?500000 तक का दुर्घटना बीमा बैंक जल्दी ही ऑफर कर सकते हैं। बैंक बचत खाता धारकों के लिए न्यूनतम राशि जमा रखने का भी नियम बनाने जा रहे हैं।

अभी बैंकों में 7 फ़ीसदी से लेकर 7.75 फ़ीसदी तक ब्याज एफडी पर दिया जा रहा है।शेयर बाजार और म्युचुअल फंड की तुलना में इसे और बेहतर बनाने की दिशा में बैंकों को योजनाएं लाने के लिए कहा गया है।

विरोध के बाद बैकफुट पर आई बांग्लादेश सरकार, सुरक्षा का दिलाया भरोसा और दुर्गा पूजा पर अवकाश

ढाका(ईएमएस)। बांग्लादेश के 27 जिलों में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा हुई थी और फिर हिंदू समाज के लोगों ने सड़कों पर उतरकर आंदोलन किया था। यही नहीं अमेरिका, कनाडा और भारत समेत दुनिया कई देशों में बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार के विरोध में प्रदर्शन हुए थे। इसे लेकर अब बांग्लादेश सरकार बैकफुट पर है। अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस अब हिंदू समाज के प्रतिनिधियों से मुलाकात करने वाले हैं। इसके अलावा उन्होंने हिंसा के लिए माफी भी मांगी और घटनाओं को दुखद करार दिया। बता दें कि शेख हसीना के तख्तापलट के दौरान भड़की हिंसा ने बड़े पैमाने पर हिंदुओं को चपेट में लिया। दो हिंदू पार्षदों को मार डाला गया। इसके अलावा मेहरपुर में इस्कॉन मंदिर पर हमला हुआ। यहां तक कि मूर्तियां भी तोड़ दी गईं। इन घटनाओं के बाद से पूरी दुनिया में बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार की चर्चा हुई। यही नहीं बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के गठन पर शुभकामनाएं देते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने भी हिंदुओं की सुरक्षा करने की नसीहत दी। अब इस मामले पर बांग्लादेश सरकार बैकफुट पर आई है तो हिंदू समुदाय को सुरक्षा का भरोसा दिया है।

हिंदू समुदाय के लोगों ने ढाका की सड़कों पर उतरकर विरोध प्रदर्शन भी किए थे। इस बीच बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने दुर्गा पूजा के अवसर पर तीन दिन की छुट्टी का प्रस्ताव दिया है। मंत्रालय के सलाहकार ब्रिगेडियर जनरल रिटायर्ड शखावत हुसैन ने कहा कि ऐसा करना सही रहेगा। उन्होंने सोमवार को हिंदू समुदाय के नेताओं से मुलाकात के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा, मैंने हिंदू नेताओं से मुलाकात की। मैं उन्हें इस प्रस्ताव पर विचार करने का भरोसा दिया है। दुर्गा पूजा एक बड़ा त्योहार है। मैं अपने मंत्रालय की ओर से सरकार से सिफारिश करूंगा कि दुर्गा पूजा के मौके पर तीन दिन की छुट्टी घोषित की जाए। यदि ऐसा नहीं भी होता है तो कम से कम दो दिन की छुट्टी मिले। यदि एक ही दिन की छुट्टी होती है तो नौकरियां करने वाले लोग उत्सव में शामिल नहीं हो पाते।

बांग्लादेश में हिंसा से भड़के अल्पसंख्यक न्याय की कर रहे मांग

अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस अल्पसंख्यक नेताओं से मिलेंगे

ढाका,(ईएमएस)। बांग्लादेश में शेख हसीना के देश छोड़ने और पीएम पद से इस्तीफा देने के बाद अंतरिम सरकार बनी अब उसका भी विरोध हो रहा। शेख हसीना के इस्तीफा देते ही कट्टरपंथियों ने इस प्रदर्शन को हाईजैक कर लिया और यह अल्पसंख्यक विरोधी प्रदर्शन बन गया। बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों पर हमले किए गए। पांच अगस्त से हुई हिंसा में 52 जिलों में 205 अल्पसंख्यक विरोधी घटनाएं हुई। हिंसा के खिलाफ अल्पसंख्यक पूरे देश में प्रदर्शन कर रहे हैं।

प्रदर्शन कर रहे अल्पसंख्यकों ने उनके खिलाफ हिंसा रोकने न्याय की मांग करते हुए नारे लगाए। विरोध प्रदर्शन के दौरान वाहनों की आवाजाही रोक दी गई। नोआखाली में अल्पसंख्यकों ने जिला मुख्यालय में टाउन हॉल चौराहे पर दो घंटे तक प्रदर्शन किया। लोगों के समूह ने एक मानव शृंखला बनाई और बिराल उपजिला में विरोध प्रदर्शन किया।

बांग्लादेश के अल्पसंख्यक अपने खिलाफ हुई हिंसा के विरोध में शुक्रवार से ढाका समेत कई जिलों में प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने आठ सूत्री मांग रखी है, जिसमें अल्पसंख्यकों पर हमलों में शामिल लोगों पर मुकदमे में तेजी लाने के लिए विशेष न्यायाधिकरण का गठन और अल्पसंख्यक संरक्षण आयोग का गठन शामिल है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अन्य मांगों में अल्पसंख्यकों के लिए अलग मंत्रालय का गठन और अल्पसंख्यकों पर सभी प्रकार के हमलों को रोकने के लिए सख्त कानून बनाना और लागू करना शामिल है। अल्पसंख्यकों पर हमले को बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने भी माना है। यूनुस मंगलवार को अल्पसंख्यक नेताओं से मिलेंगे। वहीं अंतरिम सरकार ने अल्पसंख्यकों के मंदिरों पर हमला करने वालों को सजा देने का आश्वासन दिया है।

गुजरात में एक साथ 134 शिक्षक बर्खास्त, राज्य सरकार की आक्रामक कार्रवाई से राहत

अहमदाबाद,13 अगस्त

गुजरात में 134 शिक्षक निलंबित: राज्य में पिछले कुछ दिनों से अनुपस्थित और दबंग शिक्षकों की रामायण चल रही है. आए दिन अखबारों में नए शिक्षकों की खबरें छपती रहती हैं। ऐसे वक्त में प्रदेश भर के स्कूलों में गैरहाजिर रहने वाले शिक्षकों को लेकर बड़ी खबर सामने आई है. सरकार ने अनुपस्थित शिक्षकों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई करते हुए 134 शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया है. जिनमें से 3 शिक्षकों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की गई है.

गुजरात के कुछ जिलों के सरकारी स्कूलों में कई शिक्षकों के अनुपस्थित रहने की शिकायतों के बाद शिक्षा विभाग ने सभी डीईओ-डीपीओ को लंबी छुट्टी पर गए और अनाधिकृत छुट्टी पर रहने वाले शिक्षकों का ब्योरा मांगने का आदेश दिया है. सरकार को. इसके बाद सरकार एक्शन मोड में आ गई है. शिक्षा क्षेत्र में हड़कंप मच गया है क्योंकि राज्य में 134 अनुपस्थित शिक्षकों को बर्खास्त कर दिया गया है और विवरण के आधार पर 134 शिक्षकों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। जिसमें राजकोट, आणंद और कच्छ के 1-1 शिक्षकों के खिलाफ पुलिस केस की कार्रवाई भी की गई है.

छोटाउदेपुर जिले में भी सात शिक्षकों को एक साल या उससे अधिक समय से अनुपस्थित रहने पर नोटिस दिया गया है। जिनमें से एक शिक्षक का इस्तीफा मंजूर कर लिया गया है. हालाँकि, अभी तक किसी को निलंबित या बर्खास्त नहीं किया गया है।

राज्य के सभी जिलों से सरकार को सूचना रिपोर्ट दी गयी. जिसमें 17 जिलों के 32 शिक्षक विदेश दौरे पर हैं और 31 शिक्षक बिना अनुमति यानी बिना अनुमति के लंबे समय से अनुपस्थित हैं. अहमदाबाद जिले में, शहर के सरकारी अनुदान प्राप्त स्कूल के चार शिक्षक विदेश दौरे पर हैं और अनुदान प्राप्त स्कूल का एक शिक्षक 177 दिनों की छुट्टी पर है। यह भी सवाल है कि स्कूल प्रबंधन ने इतनी लंबी छुट्टी कैसे मंजूर कर ली।

अहमदाबाद ग्रामीण सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में 8 शिक्षक 90 दिनों से अधिक समय से छुट्टी पर हैं। जिसमें 7 शिक्षक विदेश दौरे पर हैं और एक शिक्षक मेडिकल अवकाश पर है. जबकि गांव के सरकारी स्कूल में एक शिक्षक और एक प्रशासनिक स्टाफ लंबी छुट्टी पर हैं. एक शिक्षक कई दिनों से स्कूल से अनुपस्थित है क्योंकि उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही लंबित है। जब कोई प्रशासनिक कर्मचारी बिना अनुमति के लंबी छुट्टी पर हो। वहीं निगम स्कूल में भी यह देखने में आया है कि एक शिक्षक लंबे समय से अनुपस्थित हैं.

सरकारी कर्मचारियों को वंदे भारत ट्रेन में मिलेंगे यात्रा के ये लाभ

गांधीनगर 13 अगस्त : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने राज्य सरकार के कर्मचारियों को अवकाश यात्रा रियायत (एलटीसी) या गृहनगर की यात्रा के उद्देश्य के लिए वंदे भारत ट्रेन में यात्रा को मान्यता देने का महत्वपूर्ण निर्णय किया है।

उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के कर्मचारियों को हर चार साल में 6000 किलोमीटर की सीमा के अंदर एलटीसी या गृहनगर की यात्रा का लाभ दिया जाता है। आम तौर पर कर्मचारी अपनी इस तरह की यात्रा के अंतर्गत ट्रेन के जरिए सफर करते हैं।

भारतीय रेलवे द्वारा पिछले कुछ वर्षों से आधुनिक सुविधा युक्त वंदे भारत ट्रेन शुरू की गई है। राज्य सरकार के कर्मचारियों ने मुख्यमंत्री के समक्ष उन्हें मिलने वाली अवकाश यात्रा रियायत में वंदे भारत ट्रेन की यात्रा को शामिल करने की मांग की थी।

मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कर्मचारियों के व्यापक हित में इस संदर्भ में उदार रवैया अपनाते हुए एलटीसी ब्लॉक- 2020-23 की शुरुआत से अवकाश यात्रा रियायत के लिए वंदे भारत ट्रेन की यात्रा का भी समावेश करने का निर्णय किया है।

राज्य सरकार के पांच लाख कर्मचारियों को अवकाश यात्रा रियायत के दौरान इस निर्णय का लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री के दिशानिर्देश में वित्त विभाग की ओर से इस संबंध में एक प्रस्ताव जारी किया जाएगा।

तिरंगा यात्रा ने गुजरात ही नहीं पूरे देश के युवाओं में जोश भरने का काम किया है; गृह मंत्री अमित शाह

अहमदाबाद,13 अगस्त

राष्ट्रीय ध्वज के सम्मान में लोगों में राष्ट्रीय ध्वज एवं देश के प्रति गौरव की भावना जागृत करने के लिए राज्य सरकार द्वारा स्वतंत्रता सप्ताह के दौरान 8 से 15 अगस्त तक हर घर तिरंगा एवं तिरंगा यात्रा कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। राज्य के लोग. केंद्रीय गृह मंत्री अमित भाई शाह और मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल की मौजूदगी में अहमदाबाद में 'हर घर तिरंगा' अभियान के तहत तिरंगा यात्रा निकाली गई.

केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने तिरंगा यात्रा के मौके पर कहा कि आज मैडम भिखाईजी कामा की पुण्य तिथि पर अहमदाबाद में तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया है, यह उनके बलिदान को याद करने का भी दिन है. आज अहमदाबाद विकसित भारत की परिकल्पना के साथ आगे बढ़ रहा है। अहमदाबाद में तिरंगा यात्रा से देशभक्ति का माहौल देखने को मिला है. इतना ही नहीं पांच किलोमीटर तक के सफर में इंसानी सहूलियत देखने को मिली है.

उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देशभर में तिरंगा यात्रा के जरिए लोगों में देशभक्ति जगाने का माहौल बना है. गुजरात के हर जिले और तालुक में 'हर घर तिरंगा यात्रा' का आयोजन किया गया है. इस तिरंगा यात्रा ने गुजरात ही नहीं पूरे देश के युवाओं में जोश भरने का काम किया है.

केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि, आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत 2047 में पूर्ण विकसित देश बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है और हर क्षेत्र में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहा है। नरेंद्र भाई मोदी के 10 साल के शासनकाल में भारत देश ने कई क्षेत्रों में दुनिया को आश्चर्यचकित करने वाले काम किये हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई के नेतृत्व में आतंकवाद और नक्सलवाद से प्रभावित राज्यों में बहुत अच्छा काम हो रहा है. इतना ही नहीं, नरेंद्र भाई के शासन में सर्जिकल स्ट्राइक और एयर स्ट्राइक भी हुई हैं. उन्होंने कहा कि तकनीक के इस्तेमाल से कोरोना काल में 130 करोड़ नागरिकों को वैक्सीन की दो खुराक दी गई है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी देश के सभी युवाओं से आगे आने की अपील की ताकि भारत वर्ष 2047 में पूर्ण रूप से विकसित हो सके.

इस मौके पर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा, ''प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी ने देश की आजादी का जश्न मनाने और स्वतंत्रता सेनानियों के बलिदान को याद करने के लिए 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू किया है और आज 'हर घर तिरंगा' अभियान शुरू हो गया है.'' देश में एक राष्ट्रीय त्योहार बनें। उन्होंने आगे कहा, 'नरेंद्रभाई मोदी का स्पष्ट मानना है कि तिरंगा लोगों को एक साथ लाता है। हमें देश के स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल होने का मौका नहीं मिला लेकिन नरेंद्र भाई के नेतृत्व में हमें आजादी के अमर युग में एक विकसित भारत बनाने का मौका मिला है।''

मुख्यमंत्री श्री भूपेन्द्र पटेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी और गृह मंत्री अमित भाई शाह के नेतृत्व में भारत विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। हमारी धरती के सपूत महात्मा गांधी और सरदार पटेल ने देश को स्वराज दिया, वैसे ही हमारे दो बेटों नरेंद्रभाई और अमितभाई ने देश को सुराज दिया है। आज 'हर घर तिरंगा' अभियान से लोगों में राष्ट्र प्रथम की भावना जागृत हुई है। उन्होंने आगे कहा, इस प्रकार, 'हर घर तिरंगा' अभियान भी एक जन आंदोलन बन गया है। तिरंगा यात्रा विराटनगर जोनल कार्यालय (पूर्वी जोन) से केसरी नंदन चौक (फव्वारा सर्कल) तक शुरू हुई। उसके बाद, यात्रा बेटी बचाओ सर्कल से उत्तमनगर खोडियार मंदिर तक गई, दाएं मुड़कर कोठिया अस्पताल, नहर पार कर जीवनवाड़ी सर्कल और खोडियार मंदिर, निकोल के पास समाप्त हुई।

इस यात्रा में पुलिस विभाग की विभिन्न प्लाटून, एसआरपी कर्मी, पुलिस बैंड, अग्निशमन कर्मी, विभिन्न स्कूलों के बच्चे और शिक्षक, खिलाड़ी, वोहरा समाज, तेरापंथ समाज, जैन समाज, स्वामीनारायण मंदिर, ब्रह्माकुमारी और गायत्री परिवार जैसे विभिन्न समाजों ने भाग लिया।, रवारी समाज, भागवत विद्यापीठ, पतंजलि- श्री बाबा रामदेव, कैथोलिक समाज, वोरा समाज के लोग और नेता तथा बड़ी संख्या में नगरवासी इस तिरंगा यात्रा में शामिल हुए।

इस तिरंगा यात्रा के अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री ऋषिकेषभाई पटेल, गृह राज्य मंत्री हर्षभाई संघवी, सहकारिता मंत्री जगदीशभाई पांचाल, अहमदाबाद की मेयर प्रतिभा जैन, मुन. कमिश्नर एम. थेन्नारसन, अहमदाबाद पुलिस आयुक्त जी.एस. मलिक, अहमदाबाद जिला प्रशासन के अधिकारी, अहमदाबाद मुन। इस अवसर पर निगम के सदस्य, गणमान्य नागरिक, कलाकार, सामाजिक नेता, विभिन्न पुलिस शाखाओं के कर्मी, संत, शिक्षक, बड़ी संख्या में छात्र और शहरवासी उपस्थित थे।

एकतरफा प्रेमी ने युवती का अपहरण कर 7 दिनों बंधक बनाकर बार बार दुष्कर्म किया

सूरत (ईएमएस) एकतरफा प्यार में पागल शख्स ने शहर के अमरोली क्षेत्र में रहनेवाली एक युवती का अपहरण कर लिया और उसे सात दिनों तक वराछा इलाके एक मकान में बंधक बना लिया। इन सात दिनों के दौरान शख्स ने युवती के साथ बार बार दुष्कर्म किया। मौका पाकर युवती ने जैसे ही भागने का प्रयास किया, शख्स ने उसे रास्ते में पकड़ लिया और उसके गले पर ब्लैड रख जान से मार देने की धमकी दी। युवती के प्रतिकार और चीखपुकार करने पर आसपास के लोग जमा हो गए तो शख्स ने एक राहगीर को ब्लैड मारकर घायल कर दिया और फरार हो गया। हांलाकि पुलिस ने चंद घंटों में आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे धकेल दिया है।

गणेश महोत्सव को लेकर पुलिस कमिश्नर का ऐलान, "9 फीट से ज्यादा ऊंची गणेश जी की मूर्ति पर रोक"

अहमदाबाद,13 अगस्त

अहमदाबादः खुशियों का त्योहार गणेश मोहोत्सव जल्द ही आने वाला है. फिर इस साल भी अहमदाबाद में गणेश मोहोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा. 7 सितंबर को गणेश स्थापना और 17 सितंबर को विसर्जन किया जाएगा। गणेश उत्सव को लेकर पुलिस कमिश्नर ने अधिसूचना जारी की है. अधिसूचना में मूर्तिकारों द्वारा बनाई गई मूर्तियों के आकार और ऊंचाई का एक निश्चित और उचित मानक बनाए रखा गया ताकि विखंडन की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाया जा सके। खासकर जुलूस के दौरान यातायात व्यवस्था सुगम रहे और विधि-व्यवस्था भी कायम रहे. इस बात का विशेष ध्यान रखना चाहिए कि जिस स्थान पर मूर्ति बनाई जा रही है वह गंदा न हो और उससे बीमारी न फैले। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि मूर्ति निर्माण में दूसरे धर्मों की भावनाओं को ठेस पहुंचाने वाले कोई चिन्ह या प्रतीक न रखे जाएं।

मूर्तियाँ बनाने में रासायनिक रंगों का उपयोग करने और मूर्तियों को नदियों और झीलों में फेंकने से जलीय जीवन, मछली और मनुष्यों को भी नुकसान पहुँचता है। अतः जल एवं पर्यावरण में प्रदूषण को रोकने के लिए केन्द्रीय प्रदूषण बोर्ड द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशों के साथ-साथ सरकार द्वारा जारी किये गये संकल्पों तथा सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मूर्तियों को हटाने के संबंध में दिये गये दिशा-निर्देशों पर भी विचार करना आवश्यक है।

इसके अलावा गणेशोत्सव के दौरान कुछ पाबंदियां लगाई गई हैं. 1. सार्वजनिक सड़कों पर 9 फीट से अधिक ऊंचाई की मट्टी सीट सहित गणपतिजी की किसी भी मिट्टी की मूर्ति बनाने, बेचने, स्थापित करने और परिवहन करने पर प्रतिबंध।

निर्माण, बिक्री, निर्माण, सार्वजनिक सड़कों पर परिवहन, नदियों, झीलों आदि सहित प्राकृतिक जल निकायों में निपटान पर प्रतिबंध। मूर्ति बनाने वाले और बेचने वाले स्थानों के आसपास गंदगी न फैलाने, मूर्तियों को सड़क पर न रखने और टूटी हुई मूर्तियों को रहने योग्य स्थिति में न छोड़ने को कहा गया है। मूर्तियों के लिए पानी में आसानी से न घुलने वाले जहरीले रसायनों वाले पेंट के इस्तेमाल पर रोक धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुँचाने वाले चिह्नों या प्रतीकों वाली मूर्तियाँ बनाने, खरीदने और बेचने परप्रतिबंध।6.परमिट में उल्लिखित मार्गों के अलावा अन्य मार्गों पर जुलूस का निषेध परमिट में उल्लिखित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर निर्वहन पर प्रतिबंध 8. एएमसी द्वारा निर्मित कृत्रिम टंकी के अलावा अन्य जल स्त्रोत में निर्वहन पर प्रतिबंध इसके अलावा, सभी मिट्टी और पीओपी मूर्तियों का निपटान एएमसी द्वारा बनाए गए कृत्रिम टैंकों में करना होगा

सौराष्ट्र-कच्छ के बाद अब दक्षिण गुजरात के तटीय क्षेत्र से 5.87 करोड़ की चरस बरामद

वलसाड (ईएमएस) बीते 3-4 महीनों के दौरान सौराष्ट्र और कच्छ के तटीय क्षेत्रों से नशीले पदार्थों के अनेकों पैकेट लावारीस हालत में बरामद हो चुके हैं सौराष्ट्र और कच्छ के बाद अब दक्षिण गुजरात के वलसाड जिले में तटीय इलाके से रु. 5.87 करोड़ कीमत की चरस के पैकेट लावारीस हालत में बरामद किए गए हैं गुजरात में समुद्र के रास्ते नशीले पदार्थों की तस्करी का सिलसिला जारी हैं सौराष्ट्र-कच्छ के बाद अब दक्षिण गुजरात के समुद्री तट से चरस पकड़ी गई हैं वलसाड के तटीय इलाके में नशीले पदार्थ के पैकेट की खबर मिलते ही वलसाड एसओजी और पारडी पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई वलसाड जिले की पारडी तहसील के उदवाडा गांव के तटीय क्षेत्र से पुलिस ने चरस के 11 किलो 800 ग्राम पैकेट बरामद किए हैं जिसकी कीमत रु. 5.87 करोड़ बताई जाती हैं इस मामले में पुलिस ने स्थानीय ग्रामीणों और मछुआरों से पूछताछ की हैं चरस की बरामदगी के बाद वलसाड पुलिस सतर्क हो गई हैं 70 किलोमीटर लंबे वलसाड के समुद्री तट के किनारे के सभी पुलिस थानों को अलर्ट कर दिया गया हैं साथ ही अलग अलग इलाकों में पुलिस की टीमों ने सर्च ऑपरेशन भी शुरू कर दिया हैं समुद्री किनारे पर सभी गतिविधियों पर नजर रखने के लिए पुलिस गश्त बढ़ा दी गई हैं

एस पी रींग रोड पर वटवा स्थित रोड ओवर ब्रिज नं.713ए की एक लाइन सड़क यातायात के लिए बंद रहेगी

अहमदाबाद मंडल पर एस.पी. रींग रोड वटवा स्थित रोड ओवर ब्रिज (ँई) नं. 713 ए (रोपड़ा ब्रिज) किमी. 485/5-6 की एक लाइन (उत्तरी साइड) वटवा से हाथीजन सर्कल तक 15 अगस्त 2024 से 18 अगस्त 2024 तक चार दिन के लिए स्ट्रेंगथनिंग व लोड प्रशिक्षण कार्य हेतु बंद रहेगा।

सड़क उपयोगकर्ता इस अवधि के दौरान रोपड़ा ब्रिज का उत्तरी तरफ का ट्राफिक रोपड़ा ब्रिज से होकर एक साइड का रोड चालू है जिसका उपयोग करके दक्षिण दिशा में हाथीजन की ओर जा सकेगा। रोपड़ा ब्रिज का दक्षिणी तरफ का ट्राफिक रोपड़ा ब्रिज पर से एक साइड का रोड चालू है जिसका उपयोग करके उत्तरी तरफ असलाली की ओर जा सकेगा।

सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात हाई कोर्ट के तीन नए जजों के नाम को मंजूरी दे दी

अहमदाबाद13 अगस्त

गुजरात में तीन नए जजों की नियुक्ति के लिए सुप्रीम कोर्ट के तीन वकीलों के नामों की सिफारिश की गई. सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने मंगलवार को गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीशों के रूप में नियुक्ति के लिए तीन वकीलों के नामों की सिफारिश को मंजूरी दे दी। संजय जयेंद्र ठाकर, दीपेंद्र नारायण राय और मौलिक जितेंद्र शेलट की नियुक्ति मुख्य न्यायाधीश और दो अन्य न्यायाधीशों वाले कॉलेजियम द्वारा की जाएगी।

गुजरात उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश ने दो अन्य वरिष्ठ साथी न्यायाधीशों के परामर्श से 22 दिसंबर को न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए इन तीन वकीलों के नामों की सिफारिश की। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने कहा कि गुजरात राज्य के मुख्यमंत्री और राज्यपाल ने इस सिफारिश पर अपनी राय नहीं दी।

हाई कोर्ट में नए जजों की नियुक्ति के लिए चार में से तीन जजों ने नियुक्ति पर सकारात्मक राय दी है जबकि एक अन्य जज ने कोई राय जाहिर नहीं की है. उपरोक्त अनुशंसा को न्याय विभाग द्वारा प्रक्रिया ज्ञापन के पैरा 14 का उपयोग करके आगे बढ़ाया गया है। जिसमें संवैधानिक अधिकारियों की निर्धारित समय सीमा के भीतर नियुक्ति के संबंध में प्रावधान किया गया है.

52 की स्वीकृत शक्ति वाला गुजरात उच्च न्यायालय वर्तमान में 23 रिक्तियों के साथ 29 न्यायाधीशों के साथ कार्य कर रहा है। सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम गुजरात उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में नियुक्ति के लिए तीन वकीलों की सिफारिश पर एक नए न्यायाधीश की नियुक्ति करेगा। जिसमें तीन जजों को नियुक्ति मिलेगी. 1) संजय जयेंद्र ठाकर, 2) दीप्तेंद्र नारायण राय और 3) मौलिक जीतेंद्र।

पश्चिम रेलवे चलाएगी अहमदाबाद और बांद्रा टर्मिनस के बीच स्पेशल ट्रेन

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद और बांद्रा टर्मिनस के बीच विशेष किराये पर फेस्टिवल स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया गया है। जिसका विवरण निम्नानुसार है: संख्या 09054/09053 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद स्पेशल (कुल दो फेरे)

ट्रेन संख्या 09054 अहमदाबाद-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल 15 अगस्त 2024 गुरुवार को अहमदाबाद से प्रातः 08:45 बजे प्रस्थान करेगी तथा उसी दिन 17:15 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुंचेगी। इसी तरह ट्रेन संख्या 09053 बांद्रा टर्मिनस-अहमदाबाद स्पेशल 14 अगस्त 2024 बुधवार को बांद्रा टर्मिनस से 21:30 बजे प्रस्थान करेगी तथा अगले दिन 05:30 बजे अहमदाबाद पहुंचेगी।

मार्ग में दोनों दिशाओं में यह ट्रेन नडियाद, आणंद, वडोदरा, भरूच, सूरत, वलसाड, वापी, पालघर एवं बोरीवली स्टेशनों पर रुकेगी। इस ट्रेन में थर्ड एसी, स्लीपर और जनरल श्रेणी के कोच रहेंगे।

ट्रेन संख्या 09054 की बुकिंग दिनांक 14.08.2024 से सभी पीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी तथा ट्रेन संख्या 09053 की बुकिंग शुरू है। ट्रेनों के ठहराव के समय और संरचना के संबंध में विस्तृत जानकारी के लिए यात्री कृपया www. enquiry .iåianrail.gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

खेड़ा जिले के कर्मयोगियों ने19,000वर्ग मीटर क्षेत्र में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का अनूठा संदेश दिया

गांधीनगर(ईएमएस)प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के'एक पेड़ मां के नाम'अभियान के अंतर्गत खेड़ा जिले के विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों ने नडियाद तहसील के पीपलग गांव में19,000वर्ग मीटर क्षेत्र में वृक्षारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का एक अनूठा संदेश दिया है। गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के मार्गदर्शन में खेड़ा जिले के सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों ने'एक पेड़ मां के नाम'अभियान के अंतर्गत एक नई पहल के रूप में पीप लग गांव के सर्वे नंबर 386 के1.90हेक्टेयर क्षेत्र में विभिन्न प्रजातियों के लगभग4000पौधे लगाकर'कर्मयोगी वन'तैयार किया है। इस वन को तैयार करने में सामाजिक वनीकरण विभाग और पीपलग ग्राम पंचायत का बड़ा सहयोग रहा है।15अगस्त, 2024को स्वतंत्रता दिवस के राज्य स्तरीय समारोह में हिस्सा लेने के लिए नडियाद पहुंच रहे मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल भी पीपलग के इस'कर्मयोगी वन'में एक पौधा लगाएंगे।'एक पेड़ मां के नाम'के दृष्टिकोण को सार्थक करने के लिए यहां आकार लेने वाले वन के बीचों-बीच माता-बालक की एक प्रतीकात्मक मूर्ति लगाई जाएगी,जिसका अनावरण मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल करेंगे। दरअसल,मां की स्मृति में पौधरोपण इस बात का भी प्रतीक है कि जो कुछ भी हमने प्रकृति से पाया है,हमारे दिल में उसे श्रद्धापूर्वक वापस लौटाने की भावना भी है। पीपलग गांव में इस'कर्मयोगी वन'को तैयार करने के लिए राजस्व विभाग,पंचायत,पुलिस और शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों ने7अगस्त से10अगस्त, 2024के दौरान अपनी मां के नाम की तख्तियों के साथ श्रमदान करते हुए पौधरोपण किया। इसके अंतर्गत राजस्व विभाग द्वारा7अगस्त को वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया,जिसमें कलेक्टर,निवासी अपर कलेक्टर और अन्य राजस्व अधिकारी और कर्मचारियों ने पौधे लगाए। पंचायत विभाग द्वारा8अगस्त को आयोजित किए गए कार्यक्रम में जिला विकास अधिकारी, निदे शक,जिला ग्राम विकास एजेंसी और अन्य पंचायत के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पौधे रोपे।

वहीं,पुलिस विभाग द्वारा9अगस्त को आयोजित एक कार्यक्रम में जिला पुलिस अधीक्षक और पुलिस उपाधीक्षक सहित विभागकेअन्य अधिकारियों और कर्मचारियों नेपौधरोपणकिया।शिक्षाविभाग द्वारा10अगस्त को आयोजित कार्यक्रम में प्राथमिक और उच्च प्राथमिक शिक्षा विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों नेअपनी मांकी स्मृति में या उनके सम्मान में पौधे लगाए। उल्लेखनीय है कि पीपलग ग्रामपंचायतनेजनभागीदारीसे इस'कर्मयोगी वन'में लगाए गए4000पौधों की सिंचाई के लिए बोरवेल और इलेक्ट्रिक मोटर की व्यवस्था की है। पेड़ों की देखभाल के लिए आवश्यकफावड़ा,कुदाल-बेलचा और तसला आदि उपकरणों को रखने केलिएएक कमरे का भी आयोजन किया गयाहै।'कर्मयोगीवन'के समूचे1.90हेक्टेयर क्षेत्र को सीमेंट की दीवार से सुरक्षित किया गया है,ताकि कोई पशु अंदर न घुस पाए या पौधों को अन्य किसी तरह से नुकसान न पहुंचे। वन भूमि के दोनों ओर गेट लगाए गए हैं,ताकि भूमि की जुताई कर उसे पौधरोपण के योग्य बनाने के लिए मिनी ट्रैक्टर की आवाजाही सुनिश्चित हो सके। खेड़ा जिले के सरकारी कर्मचारियों ने इस पहल के माध्यम से प्रकृति संरक्षण और मां के प्रति सम्मान प्रकट करने के प्रधानमंत्री के अभियान में उत्साह के साथ हिस्सा लिया,और ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन जैसे मौजूदा संकट से निपटने की दिशा में अपना योगदान भी दिया।

क्रोमा का स्वतंत्रता दिवस सेलः टीवी, वाशिंग मशीन्स, और बहुत सारे उत्पादों पर पाइए बहुत बड़े डिस्काउंट्स!

राष्ट्रीय, अगस्त, 2024ः क्रोमा भारत भर में फैले अपने 525 से ज़्यादा स्टोर्स के साथ देश का स्वतंत्रता दिवस मना रहा है। खुशियों को आपके घर के और भी नज़दीक लाने के वचन के साथ क्रोमा ने अपना स्वतंत्रता दिवस कैम्पेन शुरू किया है। इलेक्ट्रॉनिक्स और होम अप्लायंसेस की विशाल श्रेणी पर कई आकर्षक ऑफर मिल रहे हैं। 9 अगस्त से 18 अगस्त 2024 तक चलने वाले इस कैम्पेन में उपभोक्ताओं को मिलेंगे आकर्षक डील्स, एक्सचेंज डिस्काउंट्स और पेमेंट के लचीले विकल्प, क्रोमा स्टोर में, र्म्ह्ररू.म्द्रस पर ऑनलाइन और टाटा नेउ ऐप पर भी आप इनका लाभ उठा सकते हैं।

अपनी होम एंटरटेनमेंट सिस्टम्स को अपग्रेड करना चाहते हैं तो क्रोमा में खरीदिए यूएचडी स्मार्ट टीवी जिनकी कीमतें सिर्फ 24,999 रुपयों से शुरू होती हैं। चुनिंदा स्मार्ट एलईडी टीवी पर मिल रहा है 70३ तक की भारी छूट और पुराने टीवी एक्सचेंज करने पर 5,000 रुपयों तक के लाभ भी आप पा सकते हैं। इसके अलावा, एलजी का 55ठ ओएलईडी टीवी पाइए हर महीने सिर्फ 2,999 रुपयों से शुरू होने वाली और सैमसंग का 55ठ का निओ क्यूएलईडी टीवी मिल रहा है हर महीने सिर्फ 2,990 रुपयों से शुरू होने वाली कीमतों में, साथ ही 9,000 रुपयों तक का कैशबैक भी आप पा सकते हैं।

सौनी योजना के तहत सौराष्ट्र के 40 जलाशयों में नर्मदा का पानी पहुंचाया जाएगा

गांधीनगर (ईएमएस) मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने सौराष्ट्र के किसानों तथा नागरिकों को नर्मदा जल पहुँचाने के लिए एक महत्वपूर्ण निर्णय किया है। नर्मदा बांध के ऊपरी क्षेत्र में हुई व्यापक वर्षा के फलस्वरूप सरदार सरोवर बांध में पानी की आवक बढ़ी है। इसलिए यह पानी सौराष्ट्र के जलाशयों में पहुँचाया जाएगा। राज्य सरकार ने सौराष्ट्र के सुरेन्द्रनगर, राजकोट, मोरबी, बोटाद, भावनगर, जामनगर एवं अमरेली जिलों के कुल 40 जलाशयों को सौनी योजना की अलग-अलग 4 पाइप लाइनों के माध्यम से नर्मदा का पानी देने का अग्रिम आयोजन किया है। हाल में इन पाइप लाइनों द्वारा 1 हजार 300 क्यूसेक पानी उद्वहन कर इन जलाशयों में पहुँचाने की शुरुआत की गई है। इसमें क्रमशः वृद्धि की जाएगी और आगामी दिवसों में सौराष्ट्र के इन जलाशयों में 2 हजार क्यूसेक पानी उद्वहन कर पहुँचाया जाएगा। यदि वर्षा में विलंब हुआ, तो मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के दिशा-निर्देश में इन जिलों के लगभग 600 तटबंधों व तालाबों को भरने का भी आयोजन किया गया है। जिन जलाशयों का पानी पीने के लिए आरक्षित है, हाल में उन जलाशयों में नर्मदा जल पहुँचाने को प्राथमिकता दी जा रही है।

बिगब्लॉक कंस्ट्रक्शन लिमिटेड का वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही में रु. 3.03 करोड़ का शुद्ध लाभ दर्ज किया, संचालन से राजस्व रु. 51.57करोड़ रहा

सुरत, 13 अगस्त, 2024 - भारत में एयरेटेड ऑटोक्लेव्ड कोंक्रीट (एएसी) ब्लॉक और पैनल के सबसे बड़े निर्माताओं में से एकबिगब्लॉक कंस्ट्रक्शन लिमिटेड ने जून 2024 को समाप्त वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के लिए रु. 3.03 करोड़ (शुद्ध लाभ मार्जिन 5.80३) का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के दौरान परिचालन से राजस्व रु. 51.57 करोड़ दर्ज किया गया, जो वित्त वर्ष 2023-24 की पहली तिमाही में रु. 54.87 करोड़ के परिचालन राजस्व की तुलना में 6३ की सालाना वृद्धि है। वित्त वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही के लिए एबिटा रु.9.65 करोड़ (एबिटा मार्जिन 18.71३) रहा। वित्त वर्ष 2025 की पहली तिमाही के लिए ईपीएस रु. 0.62 प्रति शेयर रही।

यह शुद्ध लाभ कंपनी के संयुक्त उद्यम सिआम सिमेन्ट बिगब्लॉक कंस्ट्रक्शन टेक्नोलोजीस प्राइवेट लिमिटेड के रु. 2.83 करोड के नुकसान को सेट ओफ करने के बाद दर्ज किया गया है। यह कंपनी में बिगब्लॉक कंस्ट्रक्शन लिमिटेड का 52३ और एससीजी इंटरनेशनल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड का 48३ हिस्सा है। कंपनी का इससे शुद्ध लाभ रु. 4.39 करोड है।

बिगब्लॉक कंस्ट्रक्शन लिमिटेड के अध्यक्ष, श्री नारायण साबू ने बताया कि, ''हमारी कंपनी अपने दीर्घकालिक विकास मार्ग में महत्वपूर्ण प्रगति कर रही है औरखुद को भारत में एएसी ब्लॉक उद्योग में अग्रणी के रूप में स्थापित कर रही है। कपडवंज और वाडा में प्रोजेक्ट्स निर्धारित समय पर आगे बढ़ने के साथ, हम बाजार को बदलने के लिए तैयार हैं। हमारे वफादार शेयरधारकों को पुरस्कृत करने और तरलता बढ़ाने के लिए, बोर्ड ने एक बोनस इश्यू की सिफारिश की है जो हमारे इक्विटी आधार को मजबूत करेगा। हम नवाचार, परिचालन दक्षता और स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हैं, जो सभी हितधारकों के लिए भविष्य में विकास और मूल्य को बढ़ावा देगा।''

खुशबू आइसक्रीम ने अहमदाबाद में नए स्टोर और रेस्तरां खोलकर अपने परिचालन का विस्तार किया

राजकोट, अगस्त, 2024 - राजकोट का एक प्रिय और प्रशंसित ब्रांड खुशबू आइसक्रीम, अहमदाबाद में अपने विस्तार की घोषणा करते हुए उत्साहित है। कंपनी वाइब्रंट शहर में अपना पहला स्टोर और रेस्तरां- कुडोस खोलेगी, जो उसकी यात्रा में एक महत्वपूर्ण सीमाचिह्नरूप साबित होगा।

खुशबू आइसक्रीम का यह नया स्टोर अहमदाबाद के विजय क्रॉस रोड पर स्थित है। यह सभी आइसक्रीम प्रेमियों के लिए एक आनंददायक अनुभव का वादा करते हुए, क्लासिक पसंदीदा से लेकर नवीन रचनाओं तक स्वादों की एक विस्तृत श्रृंखला पेश करेगा।

अपना उत्साह व्यक्त करते हुए, खुशबू कूल प्रोडक्ट लिमिटेड के निदेशक और कुडोस के संस्थापक, श्री हर्ष पोकिया ने कहा, ठहम अहमदाबाद में अपना सिग्नेचर आइसक्रीम अनुभव लाने के लिए रोमांचित हैं। हमारा मिशन हर स्कूप के साथ खुशी

फैलाना है और हम इसके लिए तत्पर हैं।

इस नए स्थान पर, ग्राहक उच्च गुणवत्ता वाली सामग्री से बने अनूठे स्वाद, एक दोस्ताना और स्वागत योग्य माहौल और रोमांचक ऑफ़र और प्रमोशन की उम्मीद कर सकते हैं।

2004 में श्री हिम्मत जी पोकिया द्वारा स्थापित, जो भारत के लघु आइसक्रीम निर्माता के अध्यक्ष और गुजरात आइसक्रीम एसोसिएशन के निदेशक हैं, खुशबू आइसक्रीम राजकोट में आइसक्रीम निर्माण में एक अग्रणी नाम बन गई है। एक समर्पित टीम और गुणवत्ता परीक्षण प्रयोगशाला के साथ, कंपनी ने डीलरों के बढ़ते नेटवर्क द्वारा समर्थित, पूरे गुजरात में अपनी पहुंच का विस्तार किया है।

खुशबू आइसक्रीम की ईमानदारी, गुणवत्ता और ग्राहक संतुष्टि के प्रति प्रतिबद्धता ने इसे आइसक्रीम उद्योग में एक अग्रणी खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है। कुडोस फूड टैग पार्लर आइसक्रीम, मिल्क शेक, थिक शेक, मॉन्स्टर शेक, लस्सी, फालूदा, कोल्ड कॉफी, टैको संडे और कुल्फी प्लेटर्स सहित विविध मेनू भी पेश करेगा। इसके अतिरिक्त, मेनू में पिज़्ज़ा, पैन क्रस्ट, बेबी ब्रेड, पॉकेट पिज़्ज़ा, पंजाबी समोसा, फ्रेंच फ्राइज़, बॉम्बे वडापाव और फ्रैंकीज़ जैसे गर्म आइटम भी शामिल होंगे।

पश्चिम रेलवे - राजकोट मंडल

इलेक्ट्रिकल कार्य

निविदा सूचना सं : डीआरएम/आरजेटी/ई-टेंडर/2024-2025/14, 15 एवं 16 (ईएल) दिनांक 08.08.2024.1 (1) निविदा संख्या : डीआरएम/आरजेटी/ईएल/2024-2025/14 **(i) कार्य का नाम :** राजकोट मंडल : राजकोट मंडल में 3 वर्षों के लिए विभिन्न माप के वाटर कूलर की एएमसी। **(ii) अनुमानित लागत:** ₹23,44,645.98 **(iii) ईएमडी लागत :** ₹46,900/- **(iv) ऑनलाइन आवेदन की तिथि और समय :** 09.09.2024 को 15.00 बजे तक **2. निविदा संख्या :** डीआरएम/आरजेटी/ईएल/ 2024 - 2025/15 **(i) कार्य का नाम :** राजकोट मंडल : विभिन्न स्टेशनों पर रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट का प्रावधान (ii) **अनुमानित लागत :** ₹7,65,41,535.8/- (iii) **ईएमडी लागत :** ₹5,32,700/- (iv) **ऑनलाइन आवेदन दिनांक और समय :** 09.09.2024 15.00 बजे तक **3. निविदा संख्या:** डीआरएम/आरजेटी/ईएल/ 2024 -2025/16 **(i) कार्य का नाम :** राजकोट मंडल : विविध, स्टेशन, सेवा भवन और आवासीय भवन पर रूफ टॉप सोलर पावर प्लांट का प्रावधान (ii) **अनुमानित लागत :** ₹74284077.9/- (iii) **ईएमडी लागत :** ₹5,21,400/- (iv) **ऑनलाइन आवेदन की तिथि एवं समय :** 09.09.2024 15.00 बजे तक। **कार्यालय का पता :** मंडल रेलवे प्रबंधक (इलेक्ट्रिकल), पश्चिम रेलवे, कोठी कंपाउंड, राजकोट - 360001 वेबसाइट विवरण: www.ireps.gov.in 75

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

पश्चिम रेलवे - अहमदाबाद

विद्युत (टीआरडी) विभाग को सुविधाएं प्रदान करना

ई-निविदा सूचना सं. : उप मुख्य अभियंता (सी) III/एडीआई/एडीआई-एचएमटी/टीआरडी/01 डेप्यूटी चीफ इंजीनियर (निर्माण) III, पश्चिम रेलवे, अहमदाबाद, भारत संघ के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित है। **निविदा सं :** डेप्यूटी सीइ (सी) III/एडीआई/एडीआई-एचएमटी/टीआरडी/01 **(1) कार्य का नाम और स्थान :** अहमदाबाद - हिम्मतनगर - उदयपुर गेज परिवर्तन कार्य के संबंध में नामित स्थानों पर विद्युत (टीआरडी) विभाग को सुविधाएं प्रदान करने के लिए टावर वैगन शेड, टीआरडी डिपो, विभिन्न प्रकार के स्टाफ क्वार्टर, सम्प, सर्कुलेटिंग रोड और अन्य आकस्मिक कार्यों का निर्माण तथा अहमदाबाद में विश्राम गृह का निर्माण। **(2) कार्य की अनुमानित लागत :** ₹7,68,66,273.00 **(3) जमा की जाने वाली बयाना राशि :** ₹5,34,400.00 **(4) समापन अवधि :** 06 (छह) महीना **(5) बोली जमा करने की तिथि और समय तकनीकी बोली खुलने का समय :** प्रस्तुत : 03-09-2024 को 15.00 बजे तक। निविदा खोली जाएगी : 03-09-2024 को 15.30 बजे। **(6) निविदा प्रणाली :** सिंगल पैकेट सिस्टम **(7)** सभी निविदाकर्ताओं द्वारा अनुलग्नक-V में दिए गए अनुसार प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाना चाहिए, जिसके आधार पर निविदाकर्ताओं की पात्रता का मूल्यांकन किया जाएगा। **(8) वेबसाइट विवरण नोटिस बोर्ड स्थान जहां निविदा का पूरा विवरण देखा जा सकता है और कार्यालय का पता।** वेबसाइट : www.ireps.gov.in डेप्यूटी चीफ इंजीनियर (निर्माण) III का कार्यालय, पश्चिम रेलवे, द्वितीय तल, 'ए' विंग, निर्माण भवन, जीसीएस अस्पताल के सामने, असरवा, अहमदाबाद। 33

हमें लाइक करें: facebook.com/WesternRly

मालिक-मुद्रक- प्रकाशक व संपादकः लक्ष्मीचंद जी. अग्रवाल द्वारा, ब्रिजाशा ऑफसेट, जी.एम. कम्पाउन्ड, सरसपुर, अहमदाबाद -380018 में मुद्रित करवा कर वहीं से प्रकाशित किया। प्रातः कालीन E-mail : janhitaishi@yahoo.co.in फोन: 079-22921482 Mob.9375504122 , 9327086467 R.N.I. 63177/ 95